हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, रविवार, 01 मार्च 2026 | वर्ष : 5, अंक : 64 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com | सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने जिस गरिमा और सादगी से पद संभाला, वह आज भी मिसाल है

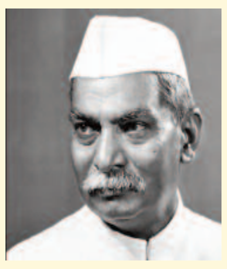

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें याद किया जा रहा है। इस अवसर पर भारत के वर्तमान उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने भी उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शनिवार को उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके योगदान को याद किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वे एक महान स्वतंत्रता सेनानी, विद्वान और दूरदर्शी नेता थे। उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाई और देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे की ओर आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया। उनका मानना है कि जब देश आजाद हुआ और संविधान लागू हुआ, तब पहले राष्ट्रपति के रूप में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने जिस गरिमा और सादगी के साथ पद संभाला, वह आज भी एक मिसाल है। उनका कहना है कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जीवन सादगी और समर्पण का प्रतीक था। वे आम लोगों की भावनाओं को समझते थे और देश की एकता व अखंडता को सबसे ऊपर रखते थे। उनका व्यक्तित्व इतना सहज और प्रेरणादायक था कि आज भी लोग उन्हें सम्मान के साथ याद करते हैं। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि आज भारत रत्न राजेंद्र प्रसाद को उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। एक महान राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी और विद्वान, राजेंद्र प्रसाद ने भारत की आजादी की लड़ाई और हमारे गणतंत्र की नींव रखने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लिखा- भारत के पहले राष्ट्रपति के तौर पर, उन्होंने ईमानदारी, विनम्रता और संवैधानिक मयार्दा के ऊंचे स्टैंडर्ड तय किए। उनका जीवन सादगी, जनसेवा के प्रति समर्पण और राष्ट्रीय एकता के प्रति पक्के इरादे का एक शानदार उदाहरण था। उन्होंने जिन मूल्यों को बनाए रखा, वे आज भी देश की लोकतांत्रिक यात्रा को रास्ता दिखाते हैं।

कांग्रेस अपने मूल स्वरूप में नहीं रही, देश और सेना को बदनाम करने से नहीं आ रही बाज

अजमेर,(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अजमेर के कायड़ विश्रामस्थली में आयोजित जनसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुकर्मों को देश कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश और सेना को बदनाम करने की पुरानी आदत से बाज नहीं आ रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस अब अपने मूल स्वरूप में नहीं रही। पहले यह यानी इंडियन नेशनल कांग्रेस थी, अब यह एमएमसी यानी मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार चुनावी हार से निराश कांग्रेस विदेशी मंचों पर भी भारत की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने हाल ही में दिल्ली में आयोजित वैश्विक एआई सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भारत की खुलकर तारीफ की। जब पूरा विश्व भारत की सराहना करता है तो हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, लेकिन कांग्रेस इसे भी पचा नहीं पाती। सभा से पहले पीएम मोदी ने 9 से 14 साल की बालिकाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की शुरूआत की। इसके साथ ही करीब 17 हजार करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि दो साल पहले राजस्थान में पेपर लीक की खबरें सुर्खियों में रहती थीं, लेकिन अब ऐसी घटनाओं पर रोक लगी है और दोषियों

पर कार्रवाई हो रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 21,800 युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान विकसित भारत 2047 के विजन में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले दो सालों में प्रदेश को लाखों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात मिली है और राज्य तेजी से विकास पथ पर अग्रसर है। पीएम मोदी ने अपनी हाल की इजराइल यात्रा का जिक्र करते हुए राजस्थान के वीर सैनिकों के शौर्य को भी याद किया। उन्होंने कहा कि हाइफा में राजस्थान के सपूतों के योगदान को आज भी सम्मान से याद किया जाता है। अजमेर की यह सभा राजनीतिक और विकास दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां एक ओर विपक्ष पर तीखे हमले हुए तो दूसरी ओर विकास योजनाओं और रोजगार पर जोर दिया गया।

खास / खबरे

किसी का जीवन बचाना सबसे बड़ा पुण्य और सेवा ही सच्चा धर्म है

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुंचाकर उसकी मदद की जाए तो जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अकसर लोग सड़क दुर्घटना के समय मोबाइल से वीडियो बनाते हैं और तमाशबीन बने रहते हैं, लेकिन एक मदद किसी की जान बचा सकती है। उन्होंने कहा कि किसी का जीवन बचाना सबसे बड़ा पुण्य है। सेवा ही सच्चा धर्म है और परोपकार ही हमारा कर्तव्य है। जब भी ऐसी स्थिति सामने आए तो आगे बढ़िए और मदद कीजिए। उन्होंने कहा कि अकसर लोग मदद करने से डर जाते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि कानूनी झंझट का सामना करना पड़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं है। अब तो सरकार भी लोगों को प्रोत्साहित करती है कि वे सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करें। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए चौहान ने कहा कि मैं भोपाल से ग्वालियर एक कार्यक्रम में जा रहा था। रास्ते में सड़क किनारे एक घायल युवक अचेत अवस्था में पड़ा था। चारों ओर भीड़ थी। लोग खड़े थे, देख रहे थे, पर कोई मदद के लिए आगे नहीं बढ़ रहा था। मैंने तुरंत गाड़ी रुकवाई, घायल युवक के पास पहुंचा और अपनी गाड़ी से उसे अस्पताल ले गया। साथ ही डॉक्टर से बातचीत कर समुचित उपचार की व्यवस्था की। हमने अक्सर देखा है कि इस तरह की घटनाओं में हम मदद के लिए हाथ बढ़ाने की बजाय तमाशबीन बनकर देखते रहते हैं, जिससे कीमती समय व्यर्थ हो जाता है और घायल व्यक्ति का जीवन खतरे में पड़ जाता है। एक अध्ययन के मुताबिक हर साल करीब डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि यदि घायल को ह्यगोल्डन ऑवरह्व में उपचार मिल जाए, तो करीब 50 फीसदी जीवन बचाए जा सकते हैं। चौहान ने कहा कि सोचिए, हमारी छोटी सी मदद और समय पर बढ़ाया गया एक हाथ कितनी माताओं की गोद सूनी होने से बचा सकता है, कितने बच्चों के सिर से पिता का साया हटने से रोक सकता है और कितनी बहनों के विश्वास को टूटने से बचा सकता है।

एक ही फ्लैट कई लोगों को बेचकर करोड़ों की ठगी आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका में पुलिस ने बंटी-बबली स्टाइल ठगी का खुलासा कर दिया है। यहां दंपति ने एक ही फ्लैट कई लोगों को बेचकर करोड़ों की ठगी की है। पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस ने द्वारका इलाके में प्रॉपर्टी के नाम पर बड़ी ठगी करने वाले पति-पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने एक ही फ्लैट को कई लोगों को बेचने का झांसा देकर करोड़ों रुपये ऐंठ लिए। दिल्ली पुलिस की टीम ने दोनों को ग्रेटर नोएडा से अरेस्ट लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी दंपति लोगों के साथ एग्रीमेंट टू सेल (बिक्री समझौता) कर पैसे ले लेते थे, लेकिन बाद में फ्लैट किसी को भी नहीं देते थे और फरार हो जाते थे। इस मामले में 2024 में द्वारका साउथ थाने में ठगी के दो केस दर्ज किए गए थे। शिकायतकताओं ने पुलिस को बताया कि एक महिला ने अपना फ्लैट बेचने के नाम पर उनसे एग्रीमेंट किया और एडवांस रकम ले ली। लेकिन बाद में न तो फ्लैट दिया और न ही पैसे लौटाए। जांच में सामने आया कि वही फ्लैट कई लोगों को बेचने का वादा किया गया था। पुलिस जांच में पता चला कि फ्लैट पहले से बैंक में गिरवी रखा हुआ था। बैंक का कर्ज चुकाने के लिए आरोपियों ने कई लोगों से पैसे लेने की साजिश रची और अलग-अलग लोगों से करोड़ों रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, दंपति ने करीब 2 से 2.5 करोड़ रुपये धोखाधड़ी से जुटाए। लंबे समय तक फरार रहने पर द्वारका कोर्ट ने आरोपी महिला शारदा सिकरी को सितंबर 2025 में प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर घोषित कर दिया था। उसकी अग्रिम जमानत याचिका भी अदालतों से खारिज हो चुकी थी।

नोटों से भरा विमान हुआ क्रैश- 15 की मौत, वहीं पैसे बटोरने वालों की लगी भीड़, मची अफरा तफरी

ला पाज,(एजेंसी)। बोलीविया की प्रशासनिक राजधानी ला पाज के निकटवर्ती शहर एल ऑल्टो में शुक्रवार शाम एक बड़ा विमान हादसा हो गया जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद एक अजीबोगरीब स्थिति तब पैदा हो गई जब विमान में रखे करोड़ों के नए नोट पूरी सड़क पर बिखर गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि मलबे और धुएं के बीच सैकड़ों लोग बचाव कार्यों में मदद करने के बजाय बिखरी हुई नकदी को इकट्ठा करने के लिए दौड़ पड़े। भीड़ इतनी अनियंत्रित हो गई थी कि पुलिस और स्थानीय प्रशासन को लोगों को हटाने के लिए वॉटर कैनन और दंगा नियंत्रण उपकरणों का इस्तेमाल करना पड़ा। बोलीविया के सेंट्रल बैंक ने पुष्टि की है कि विमान नए बैंक नोटों को देश के आंतरिक हिस्सों में ले जा रहा था। रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान ने एल ऑल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान

भरी ही थी कि खराब मौसम या तकनीकी खराबी के कारण वह अनियंत्रित होकर पास की मुख्य सड़क पर जा गिरा। सड़क पर गिरते ही विमान ने करीब एक दर्जन से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। मलबे की चपेट में आने से कई कारें पूरी तरह चकनाचूर हो गई हैं। विमान के गिरने के बाद उसमें भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस भयावह हादसे के बाद एल ऑल्टो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। बोलीविया के रक्षा मंत्रालय और वायुसेना ने मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। अग्निशमन विभाग के प्रमुख पावेल तोवर ने बताया कि मृतकों में विमान के चालक दल के सदस्य और सड़क पर चल रहे वाहन सवार दोनों शामिल हो सकते हैं। फिलहाल घायलों का इलाज पास के अस्पतालों में चल रहा है, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इजरायल ने किया ईरान पर बड़ा हमला, तेहरान में धमाके से अफरा-तफरी, तनाव बढ़ा

तेल अवीव,(एजेंसी)। मध्य पूर्व की गंभीर तनावपूर्ण स्थिति अब और भी भयावह होती नजर आ रही है, खासतौर पर तब जबकि इजरायल ने ईरान पर प्रिवेंटिव अटैक यानी एहतियाती सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायली रक्षा मंत्री ने शनिवार सुबह इस हमले की आधिकारिक पुष्टि की है और देशभर में राज्य आपातकाल की घोषणा की है। इस हमले के बाद तेहरान सहित कई इलाकों से जोरदार धमाकों की आवाजें और आसमान में धुएँ के गुबार की तस्वीरें सामने आई हैं। इजराइल ने अपनी सेना द्वारा जारी बयान में कहा है, कि यह कार्रवाई संभावित खतरे को पहले से रोकने के उद्देश्य से की गई है। इसी आशंका को देखते हुए इजरायली सेना ने अपने नागरिकों के लिए ह्लप्रोएक्टिव अलर्टह्व जारी करते हुए पूरे देश में सायरन बजाए और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी। आईएसएफ (इजरायल डिफेंस फोर्सेस) के आदेश पर जनता को शरणस्थलों में जाने व आवश्यक

सावधानियाँ बरतने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि संभावित ईरानी मिसाइल हमलों से पहले लोग सुरक्षित रहें। सायरन की गूँज से तेल अवीव जैसे प्रमुख शहरों में भी तनाव का माहौल देखने को मिला है। बताया जा रहा है कि इस दौरान ईरान की राजधानी तेहरान में कम से कम तीन बड़े धमाके सुने गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में बताया गया, कि धमाकों की आवाजें शहर के मध्य भाग में गूँजीं और आसमान में धुएँ का गुबार उठता देखा गया। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है कि यह हमले थे या अन्य घटनाक्रम। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस हमले का समय अत्यंत नाजुक है क्योंकि उभरते तनाव के बीच ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत जारी थी, जिसमें गुरुवार को जिनेवा में वार्ता का तीसरा दौर हुआ था। सैन्य कार्रवाई के शुरू होने से कूटनीतिक प्रयासों पर गंभीर सवाल उठ चुके हैं और यह तनाव पूरे मध्य पूर्व में व्यापक उभार का संकेत दे रहा है।

केजरीवाल और सिसोदिया के बरी होने पर खुश अन्ना हजारे लेकिन दे दी बड़ी सीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित 23 लोगों को आबकारी नीति मामले में बड़ी राहत मिली है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने लंबे समय से चल रहे मामले में दोनों नेताओं और 21 अन्य को बरी किया। इस फसले पर सामजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने भी खुशी जाहिर की है। अन्ना हजारे ने कहा, हमारा देश अपनी न्यायिक और सुरक्षा प्रणालियों की ताकत पर चलता है। विविध दलों, जातियों, धर्मों और समुदायों वाला इतना बड़ा राष्ट्र होने के बावजूद, न्यायपालिका के कारण ही सुचारू रूप से चलता है। इसके बिना अराजकता और अशांति फैलेगी। अब जब अदालत ने अपना फैसला सुनाकर कहा है कि केजरीवाल दोषी नहीं हैं, तब इस फैसले को स्वीकार करना चाहिए। अन्ना ने कहा, मैंने पहले केजरीवाल के बारे में जो कुछ भी कहा था, वह न्याय व्यवस्था का निर्णय नहीं था। अगर वह न्यायालय का निर्णय होता, तब हम ऐसा नहीं बोलते। अब कोर्ट ने फैसला दे दिया हैं कि केजरीवाल का कोई दोष नहीं था, तब हमें मानना होगा। केजरीवाल ने दावा किया था कि बीजेपी ने उनके खिलाफ साजिश करते हुए झूठे केस दर्ज किए थे। इसपर अन्ना हजारे ने कहा, यह उनका प्रश्न है। सत्ता पक्ष और मेरा कोई लेन-देन नहीं। लेकिन अन्ना हजारे ने सलाह देकर कहा कि केजरीवाल और सिसोदिया हमारे पुराने कार्यकर्ता रहे हैं। मैं यहीं सलाह दूंगा कि समाज और देश की भलाई के लिए जो कुछ कर सकते हैं, करते रहें।

साउथ स्टार विजय-रश्मिका ने की पीएम से मुलाकात, वेडिंग रिसेप्शन का दिया निमंत्रण

नई दिल्ली,(एजेंसी)। साउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना शादी को लेकर चचाओं में हैं। इस कपल ने 26 फरवरी को उदयपुर में तेलुगु और कोडवा रीति-रिवाजों के साथ शादी के बंधन में बंध गए हैं। अब 4 मार्च को हैदराबाद में ग्रैंड रिसेप्शन होगा, जिसका न्योता कपल ने खुद पीएम मोदी से मुलाकात कर उन्हें दिया। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में विजय और रश्मिका पारंपरिक परिधानों में नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में वे पीएम मोदी को शॉल भेंट करते दिखाई दे रहे हैं। दोनों के चेहरे पर खुशी की झलक साफ नजर आ रही है। कपल ने पीएम मोदी को 4 मार्च को हैदराबाद में होने वाले उनके वेडिंग रिसेप्शन के लिए निमंत्रण कार्ड भी दिया। इससे पहले विजय और रश्मिका ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

से भी मुलाकात कर उन्हें रिसेप्शन का न्योता दिया था। इससे पहले पीएम मोदी ने विजय देवरकोंडा के माता-पिता को एक पत्र लिखकर बेटे की शादी पर शुभकामनाएं दी थीं। अपने पत्र में पीएम मोदी ने लिखा था, शादी के आनंदमय और शुभ अवसर पर देवरकोंडा और मंदाना परिवार, दोनों को दिल से बधाई। यह शादी विजय और रश्मिका के जीवन की एक नई और सुंदर शुरूआत है। सात फेरे लेने का अर्थ जीवन भर के लिए दोस्त बन जाना होता है। रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में पीएम मोदी ने दोनों कलाकारों के फिल्मी करियर से जुड़ी बातों का जिक्र भी किया था और लिखा- विजय और रश्मिका दोनों ही अपनी फिल्मों की स्क्रिप्ट और कहानियों के लिए नए नहीं हैं, वे पर्दे पर जादू करना जानते हैं, लेकिन उनकी असल जिंदगी का यह नया अध्याय, जो प्यार और भरोसे से भरा है, निश्चित रूप से सिल्वर स्क्रीन पर उनके द्वारा बनाए गए जादू से भी कहीं ज्यादा चमकेगा। दोनों एक-दूसरे की जिम्मेदारियों को समझें, कमियों को अपनाएं, खूबियों से सीखें, और जीवन की यात्रा सच्चे साझेदार की तरह पूरी करें।

ईसीएचएस के लिए फंडिंग और दिव्यांगता पेंशन पर टैक्स वापस ले सरकार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के लिए फंडिंग और दिव्यांगता पेंशन पर इनकम टैक्स को वापस लेने की मांग की है। राहुल गांधी ने कहा कि ईसीएचएस सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए बनाई गई। आज यह फंड की भारी कमी से जूझ रही है। 12,000 करोड़ से ज्यादा के मेडिकल बिल पेंडिंग हैं। बजट आवंटन जरूरत से करीब 30 फीसदी कम है और पेमेंट न होने की वजह से अस्पताल इससे बाहर हो रहे हैं। पूर्व सैनिकों को अपनी जेब से पैसे देने पड़ रहे हैं या कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में भी देरी हो रही है। जिन्होंने देश की सेवा की, वे जरूरत के समय में खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। राहुल ने पत्र में लिखा- वित्त विधेयक 2026 में सैनिक के सर्विस में बने रहने पर दिव्यांगता पेंशन पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव है। 1922 के बाद यह पहली बार है, जब दिव्यांगता पेंशन पर टैक्स लगाया जा रहा है।

दिव्यांगता पेंशन का मकसद उन सैनिकों को राहत देना है, जिन्हें चोटें लगी हैं और इसे इनकम नहीं समझना चाहिए। इसके अलावा, जब कोई दिव्यांग सैनिक सर्विस में बने रहने का फैसला करता है या उससे रिक्वेस्ट की जाती है, तो वह चोटों के बावजूद बिना किसी स्वार्थ के भारत की सेवा कर रहा होता है। जिस चीज की तारीफ होनी चाहिए, उस पर टैक्स लगाना बेइज्जती है। राहुल गांधी ने पत्र में लिखा- मैं जिन पूर्व सैनिकों से मिला, उनके एक प्रतिनिधिमंडल ने इन मुद्दों की ओर मेरा ध्यान दिलाया। अपनी ही सरकार की ओर से उन्हें निराश किए जाने की उनकी भावनाओं को सुनना दुखद था। निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में राहुल गांधी ने कहा कि मुझे यकीन है कि आप इस बात से सहमत होंगी कि हमारे भाई-बहन जो सशस्त्र बलों में सेवा करते हैं, वे एक देश से हर तरह की मदद के हकदार हैं। इसलिए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि ईसीएचएस की सभी लंबित देनदारियों का भुगतान पर्याप्त बजटीय सहायता के साथ सुनिश्चित करें और दिव्यांगता पेंशन पर इनकम टैक्स छूट बहाल करें।

एक नजर

गोगरी के मौर्या पब्लिक स्कूल में दिव्यांगजनों संग होली मिलन समारोह

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। गोगरी नगर परिषद क्षेत्र स्थित मौर्या पब्लिक स्कूल परिसर में दिव्यांगजन कल्याण समिति के शिष्य मंडल द्वारा दिव्यांगजन होली मिलन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संघ के संदीप पटेल, रामदेव कुमार, विनय कुमार मिश्रा, कुमार प्रीतम कुमार, रंजीत कुमार, बृजेश कुमार, संजय तांती, फिजा खातून सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। समारोह के दौरान दिव्यांगजन कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष पवन कुमार पासवान ने कहा कि होली आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का त्योहार है। इस पर्व में लोग एक-दूसरे को रंग और अबीर लगाकर खुशियों का इजहार करते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में होली विशेष उत्साह और लोकप्रियता के साथ मनाई जाती है। कार्यक्रम में बच्चों के बीच रंग और अबीर का वितरण किया गया। रंग पाकर बच्चे काफी प्रसन्न दिखे और पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा। जिला अध्यक्ष ने इस अवसर पर सभी दिव्यांगजनों को आगामी 1 मार्च को पटना के कृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन आपसी शुभकामनाओं और सौहार्दपूर्ण वातावरण के साथ हुआ।

होली आपसी भाईचारे का पर्व: रितेश रंजन

दैनिक बिहार पत्रिका

सिमरी बख्तियारपुर। सहरसा भाजपा नेता रितेश रंजन ने होली के अवसर पर सिमरी बख्तियारपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि होली आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का पर्व है, जो समाज को एक सूत्र में बांधने का काम करता है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह त्योहार लोगों को आपसी वैमनस्यता और मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के गले मिलने का अवसर देता है। हमें होली को पूरे भाईचारे और सौहार्द के साथ, बिना किसी शिकवा-शिकायत के मिलकर मनाना चाहिए। रितेश रंजन ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे रंगों के इस पावन पर्व को शांति, सौहार्द और सामाजिक एकता के साथ मनाएं, ताकि समाज में प्रेम और सद्भाव का वातावरण और मजबूत हो सके।

पीरनगरा व दिघौन में भीषण अगलगी, आधा दर्जन से अधिक घर जलकर राख

दैनिक बिहार पत्रिका

बेलदौर/खगड़िया। खगड़िया जिले के पीरनगरा पंचायत के वार्ड संख्या 15 तथा दिघौन पंचायत के वार्ड संख्या 5 में शनिवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे भीषण आग लगने से आधा दर्जन से अधिक घर जलकर राख हो गए। आसपास के ग्रामीणों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ी तबाही टल गई। जानकारी के अनुसार, पीरनगरा गांव में महेश्वरी यादव के घर से आग की लपटें उठीं, जो देखते ही देखते पास के पांच घरों तक फैल गईं। आग की चपेट में संजय यादव, कैलाश यादव, मुकेश शर्मा और बबलू शर्मा के घर भी आ गए। घटना के समय सभी पीड़ित खेत में काम कर रहे थे। इस अगलगी में घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आधा दर्जन से अधिक बकरियों के जलने से मौत हो गई, जबकि तीन गाय बुरी तरह झुलस गईं। आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। आग बुझाने के लिए दो मिनी दमकल घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक पांच घर पूरी तरह जल चुके थे। वहीं दिघौन गांव में राजकिशोर चौधरी के घर में गैस रिसाव से आग लग गई, जिससे एक ही परिवार के तीन घर जलकर राख हो गए। इस घटना में घर का आवश्यक सामान, एक बाइक और आटा चक्की भी नष्ट हो गई। इधर अंचलाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि घटनास्थल की जांच के बाद पीड़ित परिवारों को नियमानुसार सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

एनएच-31 पर भीषण टक्कर, शादी से लौट रहे दूल्हा-दुल्हन बाल-बाल बचे

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के पसराहा थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर सतीशनगर गांव के समीप शनिवार को भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। शादी समारोह से लौट रहे दूल्हा-दुल्हन इस हादसे में बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार, भागलपुर के जीरो माइल से विवाह संपन्न कर दूल्हा प्रवेश कुमार (पिता संजय यादव) एवं दुल्हन प्रियंका कुमारी परबत्ता प्रखंड के भरतखंड गांव लौट रहे थे। सतीशनगर चौक के पास ओवरटेकिंग के दौरान दो कारें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक कार सड़क किनारे बने सीमेंट के पिलर को तोड़ते हुए बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार चालक को हल्की चोटें आईं, जबकि दूल्हा-दुल्हन सहित अन्य लोग सुरक्षित रहे। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी को सुरक्षित बाहर निकाला और दूल्हा-दुल्हन को भरतखंड गांव पहुंचाया। सूचना मिलते ही पसराहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने आवागमन बहाल कराया तथा दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर थाने ले जाया गया। घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। उल्लेखनीय है कि एनएच-31 के इस हिस्से में तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता बनी हुई है।

ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल आगे बढे - केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी ।एपी कॉलोनी स्थित ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल की दूसरी शाखा का शनिवार को भव्य उद्घाटन केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी द्वारा फीता काटकर किया गया है। उद्घाटन समारोह में शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे हैं। इस कार्यक्रम में स्कूल के संस्थापक अरविंद सिंह, राजू बरनवाल, इकबाल हुसैन, कमांडर रमेश सिंह, विनीत कुमार, रजनीश कुमार, धर्मशाही स्कूल के निदेशक सह अतरी विधायक रोमित कुमार सहित कई प्रमुख अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया है। स्वागत भाषण में विद्यालय के निदेशक रोमित कुमार ने कहा कि आप सभी के आशीर्वाद और स्नेह का ही परिणाम है कि आज ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल की दूसरी शाखा का उद्घाटन संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनके उज्वल भविष्य का निर्माण करना है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने रोमित कुमार को बधाई देते हुए कहा कि वे लंबे समय से शिक्षा जगत से जुड़े रहे हैं और नई शाखा की स्थापना कर समाज को बेहतर शिक्षा का विकल्प दिया है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज अभिभावक निजी विद्यालयों की ओर रुख कर रहे हैं। सरकार को भी चाहिए कि सरकारी विद्यालयों में ऐसी व्यवस्था विकसित करे, जिससे गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

नकली-असली सिक्के की अफवाह से बाजार में भ्रम, 50 पैसे की अनुपस्थिति ने बढ़ाई दिक्कत

वैध सिक्के लेने से इनकार पर कार्रवाई की मांग, बैंकों से जागरूकता अभियान चलाने की अपील

कृष्णा टेकरीवाल, दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले में इन दिनों सिक्कों को लेकर दोहरी समस्या सामने आ रही है। एक ओर अलग-अलग डिजाइन वाले ₹1, ₹2, ₹5, ₹10 और ₹20 के सिक्कों को लेकर नकली-असली की अफवाह फैल रही है, वहीं दूसरी ओर 50 पैसे का सिक्का वर्षों से बाजार में नजर नहीं आने के कारण लोग उसे बंद मान बैठे हैं। हाल ही में गोगरी क्षेत्र में यह चर्चा फैल गई कि कुछ डिजाइन के सिक्के जाली हैं। इस अफवाह के बाद कई दुकानदारों ने ग्राहकों से सिक्के लेने में आनाकानी शुरू कर दी। खासकर सब्जी मंडियों और छोटे व्यापारियों पर मनमानी का आरोप लग रहा है। कई लोग बताते हैं कि वैध सिक्के को भी ह्लनकलीह्व कहकर लौटा दिया जाता है या कम कीमत में स्वीकार किया जाता है। जानकारी के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि एक ही मूल्यवर्ग के अलग-अलग डिजाइन वाले सिक्के पूरी तरह वैध हैं और प्रचलन में बने रहेंगे। किसी भी प्रचलित सिक्के को नकली बताकर लेने से इनकार करना गलत है। यदि किसी को सिक्के की सत्यता पर संदेह हो तो उसे बैंक में जांच के लिए जमा कराया जा सकता है। दूसरी बड़ी समस्या 50 पैसे के सिक्के को लेकर है। आरबीआई के अनुसार 50 पैसे अब भी वैध मुद्रा है, लेकिन खगड़िया में करीब 15 वर्षों से यह सिक्का बाजार में प्रचलन से बाहर है। बैंक से वितरण नहीं होने और खुदरा बाजार में स्वीकार नहीं किए जाने के कारण लोग इसे बंद मानने लगे हैं। परिणामस्वरूप छोटे लेन-देन में अक्सर राशि गोल कर दी जाती है, जिससे उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि 50 पैसे का सिक्का वैध है तो बैंकों को इसे पुनः बाजार में उपलब्ध कराना चाहिए। जिस तरह ऋण वसूली या सरकारी योजनाओं के प्रचार के लिए अभियान चलाए जाते हैं, उसी प्रकार सिक्कों की वैधता और पहचान को लेकर भी व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वैध सिक्के लेने से इनकार करने या नकली बताकर तिकड़मबाजी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। साथ ही बैंक और प्रशासन मिलकर स्पष्ट सूचना जारी करें, ताकि नकली-असली के भ्रम से आम जनता को राहत मिल सके और बाजार में भरोसा कायम रहे।

बीपी मंडल सेतु से युवती ने कोसी में लगाई छलांग, तलाश के बाद हुई पहचान

दैनिक बिहार पत्रिका

बेलदौर/खगड़िया। उसराहा स्थित बीपी मंडल सेतु से शनिवार सुबह करीब नौ बजे एक युवती ने कोसी नदी में छलांग लगा दी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुल से गुजर रहे एक दूध कारोबारी ने युवती को नदी में कूदते देखा और तत्काल बचाव के प्रयास में खाली ड्रम पानी में फेंका, ताकि वह उसे पकड़ सके, लेकिन प्रयास सफल नहीं हो सका। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, गोताखोर और नाविक मौके पर पहुंच गए और खोजबीन शुरू कर दी गई। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच प्रारंभ की। पुल पर युवती की चप्पल बरामद हुई। गहन तलाशी के लिए एसडीआरएफ टीम को भी बुलाया गया। काफी मशक्कत के बाद युवती की पहचान चौथम थाना क्षेत्र अंतर्गत मध्य बोरना पंचायत के वार्ड संख्या 14 मेदनी नगर निवासी 12वीं कक्षा की छात्रा नेहा कुमारी के रूप में हुई। वह दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ी थी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पिता ओम चौधरी और मां जूली देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास जारी है।

पितौंझिया में हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर निकली भव्य कलश शोभायात्रा

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया।

गोगरी प्रखंड के पितौंझिया गांव में हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर शनिवार दोपहर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस धार्मिक आयोजन में 101 कुंवारी कन्याओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। कलश शोभायात्रा की शुरूआत गोगरी गंगा घाट से हुई, जहां विधि-विधान के साथ कलशों में पवित्र गंगाजल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालु जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए पूरे गांव का भ्रमण कर पितौंझिया गांव पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार, शुक्रवार को हनुमान मंदिर में विधिवत प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया था। शनिवार दोपहर 2 बजे से लगातार 48 घंटे तक चलने वाले रामधुनी यज्ञ का शुभारंभ हुआ है, जिसमें दूर-दराज से भी श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। पूरे गांव में इस आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल है और तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चों ने भाग लिया। ग्रामीणों ने इस धार्मिक आयोजन को गांव की एकता, आस्था और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताया।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का बलिदान सदैव रहेगा प्रेरणास्रोत: शिक्षक सिद्धार्थ

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। महान क्रांतिकारी, देशभक्त और अमर शहीद वीर सपूत चंद्रशेखर आजाद के बलिदान को स्मरण करते हुए मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड, परबत्ता के शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि आजादी के लिए उनका सर्वोच्च त्याग और अदम्य साहस हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले के भाभरा गांव (अब चंद्रशेखर आजाद नगर) में हुआ था। वे मात्र 15 वर्ष की आयु में दिसंबर 1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में शामिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। वर्ष 1922 में असहयोग आंदोलन के निलंबन के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (ल्फ्ब्) से जुड़ गए और क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। संगठन के लिए धन संग्रह हेतु 1925 में काकोरी (लखनऊ) के पास काकोरी ट्रेन एक्शन को अंजाम दिया गया, जिसने ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी। 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क (अब आजाद पार्क) में पुलिस ने उन्हें घेर लिया। बहादुरी से मुकाबला करते हुए उन्होंने कई पुलिसकर्मियों को घायल किया। अंततः अंग्रेजों के हाथों जीवित पकड़े जाने से बचने के लिए उन्होंने अपनी अंतिम गोली स्वयं पर चला दी और मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन युवाओं को साहस, देशभक्ति और आत्मसम्मान का संदेश देता है। उनके आदर्शों को अपनाकर ही सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है।

परबत्ता नगर पंचायत की सामान्य बोर्ड बैठक संपन्न, विकास कार्यों पर गहन मंथन

सांसद- विधायक की मौजूदगी में लंबित योजनाओं को प्राथमिकता देने का निर्णय

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। नगर पंचायत परबत्ता की सामान्य बोर्ड बैठक शनिवार को संपन्न हुई। बैठक में सांसद राजेश वर्मा एवं परबत्ता विधायक बाबूलाल सौर्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत साह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक के दौरान नगर क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं, आधारभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी वार्ड पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों की राय ली गई। सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि परबत्ता नगर पंचायत को मॉडल नगर पंचायत के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ दिलाया जाएगा। उन्होंने सड़क, नाला, जल निकासी और स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने का आश्वासन दिया। विधायक बाबूलाल सौर्य ने नगर क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की बात कही। उन्होंने नगर पंचायत प्रशासन को पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि जनता के विश्वास पर खरा उतरना जनप्रतिनिधियों की मुख्य जिम्मेदारी है। चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत साह ने बैठक के दौरान नगर क्षेत्र में संचालित योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि कई वार्डों में नाला निर्माण, सड़क मरम्मत, सीसीटीवी कैमरा स्थापना और रोशनी व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य तेजी से चल रहा है। साथ ही आगामी महीनों के लिए नई विकास योजनाओं की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है। बैठक के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों ने परबत्ता के सर्वांगीण विकास का संकल्प दोहराया। बैठक को नगर क्षेत्र के लिए नई उम्मीदों और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

गोगरी में जनता दरबार: 13 भूमि विवादों की सुनवाई, 7 मामलों का मौके पर निपटारा

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। गोगरी प्रखंड मुख्यालय स्थित ट्रायसन भवन में शनिवार को भूमि विवादों के निष्पादन के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया। दरबार में कुल 13 जमीन संबंधी मामले सामने आए, जिनमें से 7 मामलों का मौके पर ही दोनों पक्षों की सहमति से निष्पादन कर दिया गया। जनता दरबार दोपहर 2 बजे तक चला। इस दौरान गोगरी अंचलाधिकारी दीपक कुमार, एआरओ सुजीत कुमार तथा गोगरी थाना अध्यक्ष परशराम सिंह मौजूद रहे। मामलों की सुनवाई एआरओ सुजीत कुमार की उपस्थिति में की गई। अधिकारियों ने बताया कि शेष 6 आवेदनों की विस्तृत जांच की जाएगी और अगले सप्ताह उनका भी निष्पादन कर दिया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि भूमि विवादों के त्वरित समाधान के लिए जनता दरबार की पहल आगे भी जारी रहेगी, ताकि लोगों को न्याय के लिए भटकना न पड़े।

एक नजर

ब्राह्मणवाद के नाम पर गुमराह करना गलत, सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों से सीखने की जरूरत केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जिले के गया शहर स्थित एपी कॉलोनी में एक निजी स्कूल के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मीडिया से बातचीत के दौरान ब्राह्मणवाद, शिक्षा व्यवस्था, अरविंद केजरीवाल प्रकरण और राज्यसभा सीटों को लेकर बेबाक बयान दिए। ब्राह्मणवाद पर पूछे गए सवाल के जवाब में मांझी ने स्पष्ट कहा कि ब्राह्मण एक जाति का विषय है, जबकि ब्राह्मणवाद एक विचारधारा है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में जाति जन्म से नहीं, बल्कि कर्म के आधार पर तय होती थी। मांझी ने कहा, ह्लवही ब्राह्मण पूज्य है जो ब्रह्म को जानता है, लेकिन ब्राह्मणवाद के नाम पर आडंबर, छुआछूत और लोगों को मूर्ख बनाना गलत है और इसका विरोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल और अन्य नेताओं को भारत सरकार का धन्यवाद देना चाहिए, क्योंकि एनडीए सरकार ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखा है। ह्लअगर सरकार चाहती तो शायद इतनी आसानी से रिहाई नहीं होती,ह्व उन्होंने जोड़ा। राज्यसभा सीटों के सवाल पर मांझी ने साफ किया कि वे नाराज नहीं हैं, लेकिन यह बात बार-बार याद दिलाते रहेंगे कि लोकसभा की दो और राज्यसभा की एक सीट का वादा किया गया था। लोकसभा की एक सीट मिलने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गया के मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा, ह्लराज्यसभा सीट हम मांगेंगे नहीं, देना है तो वचन के आधार पर दीजिए, नहीं देना है तो भी ठीक, लेकिन वादा तो वादा होता है।

राजस्व विभाग में बड़े खेल का खुलासा, गैर-मजरूआ जमीन का हो गया दाखिल-खारिज

दैनिक बिहार पत्रिका

त्रिवेणीगंज सुपौल : कहते हैं, चोर के आगे ताला और बेइमान के आगे केवाला का कोई महत्व नहीं होता। कुछ ऐसा ही त्रिवेणीगंज अंचल में देखने को मिला।अगर आप नाजायज रुपए खर्च करने का दमखम रखते हैं तो आम गैर मजरुआ व मालिक गैरमजरूआ जमीन की रजिस्ट्री से लेकर दाखिल खारिज तक आसानी से करा सकते हैं। जी हां, त्रिवेणीगंज अंचल में नियम से हटकर काम करने में किसी को परहेज नहीं है। अगर संबंधित कुछ अधिकारी व कर्मी मैनेज हो गए तो समझ लीजिए जमीन से संबंधित कोई भी नाजायज काम कराना मुश्किल नहीं है। अगर वाजिब व कानूनी रूप से कोई काम कराना हो तो यहां फिर काफी मुश्किल है सरकार के रोक के बाद भी गैरमजरूआ जमीन का खुब म्यूटेशन किया गया है। फिलहाल नए सीओ की पदस्थापना से गैरमजरूआ जमीन का म्यूटेशन करना बंद हो गई। लेकिन पूर्व के सीओ के कार्यकाल के कुछ राजस्व कर्मचारी अपने मनमानी से उत्साहित यहां के कर्मचारियों की पांचों उंगलियां घी में थे। ताजा मामला एक बार फिर चौंकाने वाला सामने आया है जहां त्रिवेणीगंज अंचल में कार्यालय कार्यरत राजस्व कर्मचारी राजीव कुमार के द्वारा जमकर गैर मजरुआ खास खाते की जमीन को खारिज की गई है जबकि गैरमजरूआ आम,खास जमीन के दाखिल खारिज पर रोक लगा हुआ है। केस स्टडी 1 मौजा हरिहरपट्टी दाखिल खारिज वाद संख्या 3173/2023/24 खाता नंबर 116 खैसरा 163 रकवा 0 एकर 9. 33 डीसमील उक्त जमीन खतियान के अनुसार गैर मजरुआ खास खाते की है जिनको खारीज कर दिया है। केस स्टडी 2 मौजा हरिहरपट्टी दाखिल खारिज वाद संख्या 3384/2023/24 खाता नंबर 116 खैसरा 163 रकवा 0 एकर 9. 33 डीसमील गैर मजरुआ खास ,जबकि खाता नंबर 116 को खाता नंबर 19 बनाकर खारीज कर दिया है। केस स्टडी 3: मौजा हरिहरपट्टी दाखिल खारिज वाद संख्या 3187/2023-24 खाता 19 खैसरा 163,रकवा 0 एकर 9.33 डीसमील गैर मजरुआ खास। हैरानी की बात यह है कि इन जासूस राजस्व कर्मचारी राजीव कुमार के द्वारा उक्त जमीन का खाता 116 के जगह खाता 19 बनाकर दाखिल खारिज कर दिया है। आरोप है कि यह पूरा खेल अंचल के ऑपरेटर और राजस्व कर्मचारी की मिलीभगत से किया गया। हाल ही में त्रिवेणीगंज आंचल में कार्यरत राजस्व कर्मचारी राज रोशन को पंजी 2 छेड़छाड़ मामले में उन्हें बर्खास्त कर दिया है, या मामला थमी नहीं है कि अब इस ताजा मामले के सामने आने के बाद राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं और उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है। फिलहाल पूरे मामले पर जिला प्रशासन की आगे की कार्रवाई पर सबकी नजर टिकी हुई है,

होली पर कड़ी निगरानी, संवेदनशील स्थलों पर दंडाधिकारी व पुलिस बल तैनात रहेंगे

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर ।होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इस सिलसिले में समाहरणालय सभागार में जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा एवं पुलिस अधीक्षक अरविन्द प्रताप सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिले के सभी चिन्हित संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारियों तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए। असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए विशेष गश्ती दलों की तैनाती होगी तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर सघन पेट्रोलिंग की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि होली के दौरान शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराया जाएगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा और अवैध शराब की तस्करी या सेवन में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित कर सामाजिक समरसता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। वहीं सोशल मीडिया पर अफवाह या भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर आईटी सेल की नजर रहेगी और दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जाएगी। त्योहार के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को भी अलर्ट मोड में रखने का निर्देश दिया गया है। अस्पतालों में चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी तथा एम्बुलेंस सेवा तैयार रहेगी। बिजली एवं पेयजल आपूर्ति निर्बाध रखने के लिए संबंधित विभागों को भी निर्देशित किया गया है। बैठक में उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह, अपर समाहर्ता ब्रजेश कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि होली आपसी प्रेम और भाईचारे का पर्व है। सभी लोग शांति एवं सद्भाव के साथ त्योहार मनाएं। हुड़दंग या कानून हाथ में लेने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सांसद दिलेश्वर कामेत की उपस्थिति में हुई पंचायत समिति की बैठक

पंचायत समिति की बैठक में विकास योजनाओं पर हुई चर्चा

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौलः जिले की प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित स्वच्छता भवन के सभागार में शनिवार को सासंद दिलेश्वर कामेत की मौजूदगी में प्रखंड प्रमुख काजल कुमारी की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकास कार्यों व योजनाओं पर चर्चा की गयी. बैठक के दौरान प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्यों ने अपने-अपने पंचायत के विकास कार्यों से संबंधित प्रस्ताव दिए. इन प्रस्तावों को सूचीबद्ध कर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने की बात कही.प्रमुख काजल कुमार ने बैठक में कहा कि उनके द्वारा सभी पंचायतों में विकास की योजनाएं की जा रही है. लोगों तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाया जा रहा है. वहीं बीडीओ अभिनव कुमार ने बताया कि सभी पंचायत समिति सदस्यों और मुखियाओं ने पंचायत के विकास को लेकर अपनी-अपनी योजनाओं पर चर्चा की और उन्हें दर्ज कराया पंचायत समिति मोहम्मद जहांगीर ने कृषि विभाग के द्वारा समय पर किसानों को योजनाओं का लाभ नहीं पहुंचाने का आरोप लगाया। अलावे राजस्व विभाग पर भी गंभीर आरोप लगाए कहां कुछ ऐसे भी कुछ राजस्व कर्मचारी है जो सरकारी जमीन को भी मोटी रकम लेकर दाखिल खारिज कर देते हैं, जबकि सरकारी जमीन की दाखिल खारिज बंद है। कोरियापट्टी पुरव के मुखिया राजेश यादव ने विकास से जुड़ी कई व्यवस्था को दुरुस्त करने का मामला उठाया। वहीं पंचायत समिति बोधी यादव ने त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय रिफलर अस्पताल में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए, कहां सिर्फ दिखावे के लिए अस्पताल है लेकिन समुचित किसी भी प्रकार की इलाज नहीं हो पाती है, यहां के डॉक्टर के मनमानी के कारण लोग अस्पताल जाने से कतराते हैं। अस्पताल दलाल बिचौलियों का अड्डा बना हुआ है। इतना ही नहीं बोधी यादव ने मनरेगा विभाग पर भी गंभीर आरोप लगाया है, हालांकि बैठक में आए जनप्रतिनिधियों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी की सराहना की। बैठक में मौजूद सांसद दिलेश्वर कामेत ने पंचायत प्रतिनिधियों को बैठक की सफल क्रियान्वयन को लेकर कई टिप्स दिए। सांसद ने कहा केंद्र सरकार और बिहार सरकार के तहत संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी उन्होंने कहा कि सरकार की योजना है कि प्रत्येक योजना व कार्य का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचे. इसके लिए जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है. बैठक में मनरेगा, शिक्षा, राजस्व, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, स्वच्छता समेत अन्य विभागों के कार्यों की बारी बारी से समीक्षा की गयी. सांसद दिलेश्वर कामेत ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित करना हैं. मनरेगा योजनाओं की समीक्षा के दौरान मजदूरों के केवाईसी अपडेट पर विशेष जोर दिया गया. ताकि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न हो और पारदर्शिता बनी रहे. बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों में तेजी लाने, योजनाओं को सही क्रियान्वयन करने और आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर बल दिया. मौके पर बीडीओ अभिनव कुमार, बीपीआरओ मनीष कुमार,उप प्रमुख गुड्डू ओमप्रकाश, मुखिया राजेश यादव, मुखिया रामानंद यादव, मुखिया अबुल हसन, पंचायत समिति जयकुमार यादव, बोधी यादव,असोक यादव अस्पताल मैनेजर अदीव अहमद, समेत अन्य लोग मौजूद थे.

पूर्व वार्ड सदस्य से दो लाख की रंगदारी मांगने का आरोप, आरटीआई

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। बेलदौर नगर पंचायत निवासी सह पूर्व वार्ड सदस्य नीलकमल शर्मा ने एक आरटीआई कार्यकर्ता पर दो लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने स्थानीय थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय अवध किशोर शर्मा के पुत्र नीलकमल शर्मा शनिवार को करीब एक बजे अपने घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर को-ऑपरेटिव बैंक जा रहे थे। इसी दौरान शिव मंदिर चौक के समीप आरटीआई कार्यकर्ता ओम प्रकाश क्रांति ने उनकी बाइक रोक ली। आरोप है कि गाली-गलौज करते हुए उनसे दो लाख रुपये की मांग की गई। नीलकमल शर्मा ने बताया कि इससे पहले भी संबंधित व्यक्ति द्वारा आरटीआई के माध्यम से दबाव बनाकर रुपये की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि पंचायती योजना के तहत उनके कार्यकाल में पीसीसी सड़क का निर्माण कराया गया था।

सेवा में
श्री मान थानाध्यक्ष महोदय
आदर्श थाना बेलदौर ।
विषय :- रंगदारी मांगते हुए जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में ।
महाशय
सविनय निवेदन पूर्वक कहना है की मैं नीलकमल शर्मा उम्र करीब 46 वर्ष स्व० अवध किशोर शर्मा वार्ड नं०12 सा०+थाना बेलदौर जिला खगड़िया का स्थाई निवासी हूँ आज दिनांक 28/02/26 को समय करीब 12:50 बजे दोपहर में ओमप्रकाश चौधरी उर्फ क्रांति उम्र करीब 55 वर्ष पे०स्व०अम्बिका चौधरी सा०+थाना बेलदौर जिला खगड़िया के द्वारा मार्किट में ही शिव मंदिर के पास मुझे रोक कर कहा की तुमको जो बोले तो क्यो नही दिया, मैं पुछा आप क्या बोले मुझे नही पता ,इस पर उक्त नामित के द्वारा धमकी देते हुए कहा की तुमको 2 लाख रुपया बोले मेरे घर पे पहुचाने तो क्यो नही दिया इसपर मैंने कहा किस बात के 2 लाख दू आपको, तो उनके द्वारा कहा गया की मेरा खर्चा पानी है देना होगा 2 लाख रुपये नही तो जान से मार देंगे और इतना कहने के बाद मुझे धक्का दे दिया । इस घटना को आस पास के लोगो ने भी देखा , ओमप्रकाश चौधरी उर्फ क्रांति द्वारा मुझे पहले भी रंगदारी को लेकर मुझे कई बार धमकी दिया जा चुका है जिसको मैंने नजरंदाज कर दिया लेकिन इस बार 2 लाख रंगदारी को लेकर जान से मारने की धमकी दी और धक्का देकर कहा की जल्द ही 2 लाख पंहुचा देना नहीं तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना । इस बात को लेकर मैं और मेरा परिवार आशंकित है की कब मेरे साथ उक्त नामित कोई अनहोनी न कर दे । इस लिए अपने आवेदन के जरिये श्रीमान को जानकारी दे रहा हूँ ।
अतः श्रीमान से निवेदन है की मेरे द्वारा दिए गए आवेदन के आलोक मे उक्त वर्णित व्यक्ति पर उचित कानूनी कार्यवाही करते हुए मुझे उचित न्याय दिलाने की कृपा प्रदान करें । श्रीमान के सादा आभारी रहेंगे ।
विश्वासभाजन
नीलकमल शर्मा
8102204152
मोबाईल :- 8102204152
दिनांक :-

बाद में भारी वाहनों के आवागमन से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई, जिसे वरीय अधिकारियों के निर्देश पर मरम्मत कराकर जांच रिपोर्ट और फोटो संबंधित पदाधिकारी को सौंप दिया गया। पूर्व वार्ड सदस्य का आरोप है कि रुपये नहीं देने पर बार-बार आरटीआई लगाकर उन्हें परेशान किया जा रहा है और अब खुलेआम रंगदारी की मांग की गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति अन्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को भी इसी तरह परेशान करता है। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है तथा दोषी पाए जाने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

दो डिसमिल जमीन विवाद में युवक का आत्मदाह प्रयास, पुलिस ने बचाई जान।

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर ।मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के तेतारपुर पंचायत अंतर्गत नारायणपुर गांव में शनिवार की दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब जमीन विवाद से आक्रोशित एक युवक आत्मदाह करने की नीयत से घर से निकल पड़ा। समय रहते पुलिस की तत्परता से उसकी जान बचा ली गई। जानकारी के अनुसार नारायणपुर निवासी अजय कुमार राय ने दो डिसमिल जमीन के विवाद को लेकर आत्मदाह की पूर्व सूचना प्रशासन को दी थी। निर्धारित तिथि पर वह हाथ में किरासन तेल और माचिस लेकर घर से बाहर निकला। इसकी भनक लगते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में सड़क किनारे जुट गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान हल्की नोकझोंक और हाथापाई की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। हालांकि पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए उसे अपने कब्जे में लेकर आत्मदाह की घटना को टाल दिया। बाद में एहतियातन उसे कुछ समय के लिए हिरासत में रखा गया। अजय कुमार राय का आरोप है कि खाता संख्या 132, खेसरा संख्या 386 की जमीन उनके पूर्वज रैयत रामवृक्ष महतो (पिता रघुनंदन महतो) के नाम से जमाबंदी दर्ज है। आरोप है कि उक्त जमीन को प्रताप सिंहा द्वारा मिथुन सहनी (पिता बालेश्वर सहनी) के हाथों बेच दिया गया तथा बाद में अंचल कार्यालय में कथित रूप से गलत तरीके से दाखिल-खारिज कर दिया गया। घटना को लेकर नारायणपुर गांव समेत पूरे क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मामले पर पहले ही गंभीरता से पहल की जाती, तो आत्मदाह जैसी नौबत शायद नहीं आती। फिलहाल पुलिस और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

दो साल में दादर-पुणे हिरकणी बस के फेरे 78 फीसदी कम हुए

दैनिक बिहार पत्रिका

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र स्टेट ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के दादर-पुणे रूट पर हिरकणी बस के फेरोंकी संख्या में भारी कमी आई है। दो साल पहले 444 हिरकणी बस इस रूट चल रहे थे। अब इन फेरों की संख्या घटकर 97 रह गई है। इस वजह से फेरों की संख्या में 78 फीसदी की कमी आई है। हिरकणी के साथ-साथ शिवशाही और शिवनेरी बस के फेरे भी कम हुए हैं। बताया गया है कि एसटी कॉर्पोरेशन की दादर-पुणे हिरकणी बस सेवा के फेरों की संख्या में काफी कमी आई है। दादर स्टेशन से पुणे के लिए हर दिन चलने वाली इस बस सेवा पर बड़ी संख्या में यात्री निर्भर हैं। एसटी कॉर्पोरेशन के सूत्रों ने बताया कि बसों की कमी, ड्राइवर और कंडक्टर की कमी, रख रखाव, तकनीकि दिक्कतों और पैसेंजर रिस्पॉन्स शेड्यूल कम होने की वजह से फेरे रद्द किए गए हैं। सुबह और शाम के भीड़ भाड़ के समय बसें कम होने की वजह से यात्रियों को निजी गाड़ियों या ट्रेनों का विकल्प चुनना पड़ रहा है।

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। - डॉ मनीष पकंज मिश्रा

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी। रंगों का पावन पर्व होली के शुभ अवसर पर गया जी स्थित राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के कार्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर संगठन से जुड़े पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित हुए हैं। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं रंग-बिरंगे गुलाल आपसी प्रेम और एकता का संदेश दे रहा था।इस अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सहभाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने उपस्थित सभी सदस्यों को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी भेदभाव, अमीरी-गरीबी, ऊँच-नीच और छुआछूत जैसी कुरीतियों को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। होली हमें सिखाती है कि हम सभी एक समान हैं और प्रेम, सद्भाव तथा मानवता ही सबसे बड़ा धर्महैडॉ. मिश्रा ने कहा कि जिस प्रकार होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है, उसी प्रकार हमें अपने जीवन से नकारात्मकता, द्वेष और अहंकार को समाप्त कर सकारात्मकता, सहयोग और सद्भाव को अपनाना चाहिए। इस अफसर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने कहाकिसभी सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिलते हुए आने वाले समय के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की और संकल्प लिया कि वे समाज में प्रेम, भाईचारा और एकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।और कामना की यह रंगों का पर्व प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में खुशियों के रंग भर दे, परिवार में सुख-शांति बनाए रखे और समाज में सद्भाव तथा सौहार्द का वातावरण बना रहे होली मिलन समारोह में राजेन्द्र प्रसाद अधिवक्ता राणा रणजीत सिंह गोपाल प्रसाद यादव संतोष ठाकुर सुशांत सिंह चंदन कुमार समर छोटू कुमार रितिक कुमार मंटू कुमार बबलू गुप्ता कुंदन सिंह महेश यादव शेखर हीरा यादव अभिषेक कुमार मुन्ना यादव दीपक पांडे ए सहित अन्य

जांच प्रतिवेदन में 58 मामला, 37 में राजस्व अधिकारी को अंचल से मुक्त,21 में सीईओ पर होगा आरोप पत्र गठित।

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल – जिले के त्रिवेणीगंज अंचल में इन दिनों अपनी कार्यशैली को लेकर राजस्व अधिकारी राकेश कुमार खुब चर्चा में है ऑनलाइन दाखिल-खारिज मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब को लेकर जिला स्तर पर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। 25 नवंबर 2025 को आयोजित राजस्व समीक्षा बैठक में भी यह बात सामने आई कि 75 दिनों से अधिक समय से 58 मामले लंबित थे। इनमें कई मामलों में आपत्तियां तो दर्ज की गईं, लेकिन उनका स्पष्ट कारण उल्लेखित नहीं था। इसके बाद भूमि सुधार उप समाहर्ता, त्रिवेणीगंज द्वारा जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन (पत्रांक 408, दिनांक 26/11/2025) के अनुसार, अधिकांश अनियमितताओं में तत्कालीन राजस्व अधिकारी रकेश कुमार की कार्यशैली पर सवाल उठे।उनकी घोर लापरवाही पाया गया। ऑनलाइन दाखिल-खारिज मामलों का निष्पादन 35 दिनों के भीतर होना चाहिए, लेकिन कई मामलों में समयसीमा का पालन नहीं किया गया। प्रशासनिक नियमों की अनदेखी और संभावित व्यक्तिगत हितों की आशंका को गंभीर मानते हुए राजस्व अधिकारी राकेश कुमार को त्रिवेणीगंज अंचल से मुक्त कर स्थापना शाखा, सुपौल में प्रतिनियुक्त किया गया। मामलों में आरोप सिद्ध होने के बावजूद राजस्व अधिकारी राकेश कुमार पर अब तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं होने से प्रशासनिक भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्रवाई के नाम पर सिर्फ दिखावा किया गया सिर्फ अंचल से मुक्त कर देना यह कोई कार्रवाई नहीं है, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि ऐसे पदाधिकारी को सबक मिल सके। उसी क्रम में अंचल अधिकारी प्रियंका सिंह से भी स्पष्टीकरण तलब किया गया था, जिसका जवाब उन्होंने 31 दिसंबर 2025 को प्रस्तुत किया। इसके बाद जिला प्रशासन ने करीब तीन महीने बाद 21 मामलों में अनियमितता को गंभीर मानते हुए अनुमंडल पदाधिकारी और भूमि सुधार उप समाहर्ता को संयुक्त रूप से आरोप पत्र गठित कर साक्ष्य सहित प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जबकि भुमि उप समाहर्ता त्रिवेणीगंज संस्कार रंजन ने कुल 58 मामले की रिपोर्ट प्रस्तुत किया था। भुमि सुधार उप समाहर्ता त्रिवेणीगंज के जांच प्रतिवेदन में 37 मामला कहां अटका है यह जांच का विषय बना हुआ है।

सवाल यह भी है कि आरोप सिद्ध होने के बाद राजस्व अधिकारी राकेश कुमार पर किस उद्देश्य से सख्त कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोषी पर कार्रवाई न होना नियमों का उल्लंघन है और इससे न्याय व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होता है। अब निगाहें सुपौल प्रशासन पर हैं क्या आरोप सिद्ध होने के बाद भी कार्रवाई टलती रहेगी, या जिम्मेदारों पर कानून के मुताबिक कदम उठेंगे?

सेवाधाम आश्रम भेजे 17 बच्चों की मौत मामले में मुख्य सचिव सहित अफसरों को नोटिस

दैनिक बिहार पत्रिका

इन्दौर (एजेंसी) उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में इन्दौर के युगपुरुष आश्रम से भेजे गए 86 बच्चों में से 17 की मौत के मामले ने हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे जनहित याचिका (पीआईएल) के रूप में दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने मामले में मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव, उज्जैन जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा सेवाधाम आश्रम के अधीक्षक को नोटिस जारी कर 12 मार्च तक जवाब मांगा है। बता दें कि उज्जैन के अंबोदिया गांव स्थित सेवाधाम आश्रम जहां निराश्रित, बुजुर्ग, मानसिक और शारीरिक दिव्यांगजनों को रखा जाता है। वर्तमान में वहां ऐसे 1200 लोग हैं, जिसमें महिला, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। इस आश्रम पर मौत के मामले और अन्य गड़बड़ियों को लेकर समय-समय पर सवाल खड़े होते आए हैं। ऐसा ही मामला अब फिर सामने आया है। जिसमें 86 बच्चों को 10 बच्चों की मौत के बाद इंदौर के बंद किए गए युगपुरुष आश्रम से उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में बेहतर देखभाल के लिए शिफ्ट किया गया था। इन 86 बच्चों में से 17 बच्चों की मौत हो गई। और चौंकाने वाली बात यह कि सबकी मौत का कारण भी एक ही - सांस लेने में तकलीफ बताया गया। इसका पता उज्जैन जिला अस्पताल और विद्युत शवदाह गृह के रिकॉर्ड की पड़ताल से चला। मामला उजागर होने के बाद उच्च न्यायालय ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए संबंधित जवाबदारों को नोटिस जारी किए हैं।

(चिंतन-मनन)

ईश्वर हमेशा भक्तों की सहायता करता है

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्रों कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढे में गिर गये। गड्ढे से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढे से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया। बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छ सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था। एक दिन सेन नाई जब राजमहल की ओर चला तब रास्ते में संतों की टोली मिल गयी। नाई उन्हें लेकर घर आ गया और उनकी खूब सेवा की। संतों के साथ बैठकर संत्संग में भाग लिया। राजा के स्नान करने का समय बीता जा रहा था। नाई के नहीं आने से राजा क्रोधित हो रहे थे। इसी समय भगवान स्वयं सेन नाई का वेष धारणकर राजा की सेवा में पहुंच गये। नई बने भगवान की सेवा से राजा का क्रोध दूर हो गया और मन हर्षित हो गया। सत्संग समाप्त होने के बाद सेन नाई को याद आया कि राजा की सेवा में देरी हो गयी है। हजामत का सामान लेकर डरता हुआ सेन नाई राजमहल में पहुंचा। राजा को देर से आने का कारण बताने लगा। इस पर राजा ने कहा कि तुम तो मेरी हजामत बना चुके हो। आज तुम्हारी सेवा से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। नाई समझ गया कि आज उसके कारण भगवान को नाई बनना पड़ा। इससे नाई को बड़ा अफसोस हुआ। राजा को जब इस बात का ज्ञान हुआ कि नाई की भक्ति की लाज रखने के लिए भगवान स्वयं आज नाई बनकर आये थे। राजा नाई की भक्त बन गया और उसे अपना गुरू मान लिया। ऐसी कई घटनाएं हैं जो ईश्वर के अस्तित्व और उस्-ाकी सहायता का प्रमाण देते हैं। इसलिए कभी भी खुद को बेसहारा नहीं समझना चाहिए। ईश्वर पर आस्था रखने वालों की ईश्वर सदैव सहायता करते हैं।

एक नासमझ की नस्ली टिप्पणी से पूर्वोत्तर तक पीड़ा

नई दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश की तीन लड़कियों के साथ कथित नस्लीय टिप्पणी और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। एयर कंडीशनर लगाने को लेकर शुरू हुआ एक मामूली पड़ोसी विवाद देखते ही देखते गंभीर आरोपों में बदल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है यह कोई पहली बार नहीं है कि पूर्वोत्तर भारत के लोगों के साथ उनकी शारीरिक बनावट व संस्कृति को लेकर कहीं शेष देश में अभद्रता की गई हो। यहां तक कि एक बार तो पूर्वोत्तर के एक मुख्यमंत्री प्रेस वार्ता में यह कहते रो पड़े थे कि उन्हें भारतीय तक नहीं समझा जाता है। बीते साल मई में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को हमारे विविधता के राष्ट्र में सबसे विशिष्ट क्षेत्र बताया था। लेकिन दुखद तथ्य यह है कि कुछ ताकतें इन टिप्पणी को तूल देकर बात का बतंगड़ बना कर पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के दिलों में विष वमन करने के लिए लगी रहती है । हालांकि कई बार इन राज्यों के लोग अक्सर नस्लीय भेदभाव का शिकार होते हैं लेकिन यह राज्य की कानून व्यवस्था से जुड़े मामले होते हैं जिन्हें नस्लीय भेदभाव से जोड़ कर अलगाव की फसल पैदा करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। कुछ समय पूर्व देहरादून में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के दो महीने से भी कम समय बाद, अब दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं को उनके पड़ोसियों ने कुत्सित शब्द धंधेवाली से संबोधित किया और मोमो बेचने को कहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उन्हें अपने ही देश में, और वह भी देश की राष्ट्रीय राजधानी में बेगाना करार दे दिया गया। विडंबना यह है कि यह अभद्रता किसी झगड़े या आवेश की प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि यह पहचान और जातीयता पर लक्षित हमला था। इस घटनाक्रम के बाद एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर धर्म, जाति व जन्मस्थान आदि के आधार पर कटुता फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा अन्य आरोप भी लगाए गए हैं। निस्संदेह, इस दंपति के आपत्तिजनक व्यवहार ने एक गहरे जख्म को ही उजागर किया है, जो सबका साथ, सबका विकास की अवधारणा को सिरे से खारिज करने वाली सोच है। साल 2014 में नीदो तानिया की हत्या से लेकर 2025 में अंजेल चकमा की हत्या तक, यह दुराग्रहों का सिलसिला साफ नजर आता है। अक्सर आरोप लगाये जाते रहे हैं कि पूर्वोत्तर के छात्रों व श्रमिकों को उनकी शारीरिक बनावट, खान-पान और भाषा के आधार पर निशाना बनाया जाता है। यह विडंबना ही है कि कुछ संकीर्ण लोग भारत की समृद्ध विविधता की विरासत का मर्म नहीं पहचानते हैं। किसी राज्य की भौगोलिक स्थिति, जलवायु व सदियों से चली आ रही संस्कृति हमारे रूप-रंग-भाषा व व्यवहार का निर्धारण करती है। कोस-कोस पर भाषा-पानी बदलने वाले देश की यह विविधता इसकी खूबसूरती भी है। इसके मर्म का सम्मान करना व अंगीकार करना हर भारतीय का दायित्व भी है। पर्वतीय इलाकों का परिवेश व जलवायु व्यक्ति के सरल, सहज, सौम्य व्यवहार व कद-काठी का भी निर्धारण करती है। पूर्वोत्तर समाज में स्त्री प्रधान पारिवारिक व्यवस्था तथा सार्वजनिक जीवन में उसकी महती भूमिका को शेष देश के लोगों द्वारा संशय से देखा जाता है। फलत परस्पर विश्वास की इस सामाजिक व्यवस्था में स्त्री की भूमिका को लेकर नका-रात्मक धारणाएं गढ़ ली जाती हैं। यही वजह है कि पूर्वोत्तर के लोगों द्वारा आरोप लगाया जाता कि उनकी महिलाओं को शक की नजर से देखा जाता है और उन पर बिना किसी आधार के अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप तक लगाए जाते हैं। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी क्षेत्रीय पहचान को लेकर किए जाने वाले किसी भेदभाव के प्रति अक्सर चेताया है। मौजूदा घटना क्रम में अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली तीन युवतियां अपने किराए के फ्लैट में एसी लगवा रही थीं। इंस्टॉलेशन के दौरान ड्रिलिंग से उठी धूल-मिट्टी नीचे वाले फ्लैट की ओर गिर गई। नीचे रहने वाली पड़ोसी महिला ने इस पर आपत्ति जताई। श-ुरूआत में यह सामान्य पड़ोसी विवाद जैसा प्रतीत हो रहा था, लेकिन कुछ ही देर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि महिला ने गुस्से में युवतियों के खिलाफ नस्लीय और आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसी दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।वायरल वीडियो में आरोपी महिला को कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुना और देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई यूजर्स ने इसे नस्लीय भेदभाव का मामला बताते हुए सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पूर्वोत्तर भारत के नागरिकों के साथ भेदभाव को लेकर पहले भी बहस होती रही है, और इस घटना ने इस संवेदनशील मुद्दे को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।घटना के बाद पीड़ित युवतियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। शुरूआती जांच में वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि मामले में अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं भी लागू हो सकती हैं।

भारत की सुरक्षा के खिलाफ साजिशें और सतर्कता की जीत आतंकवाद के बदलते स्वरूप पर गंभीर चिंतन

देश की राजधानी दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों में हाल ही में जिस प्रकार की आतंकी साजिश का खुलासा हुआ, उसने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद का खतरा केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अपने रूप बदलकर समाज के भीतर घुसपैठ करने की कोशिश करता रहता है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से एक बड़े षड्यंत्र को समय रहते विफल कर दिया गया। यह घटना केवल कुछ पोस्टर लगाने या संदिग्ध गतिविधियों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके पीछे एक संगठित मॉड्यूल, विदेशी निर्देश और व्यापक नेटवर्क की आशंका सामने आई है। सात फरवरी को कश्मीरी गेट और आसपास के क्षेत्रों में लगाए गए देश-विरोधी पोस्टरों ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। इन पोस्टरों में भारत विरोधी संदेश और आतंकवादी संगठनों से जुड़े व्यक्तियों की तस्वीरें थीं। सबसे पहले इस गतिविधि पर सीआईएसएफ की नजर पड़ी और सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस की पेट्रोलिंग यूनिट सक्रिय हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सौंपी गई। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में जांच आगे बढ़ी और संदिग्धों की धरपकड़ शुरू हुई। जांच में यह खुलासा हुआ कि इस साजिश के तार बांग्लादेश से जुड़े हुए थे। कोलकाता से एक बांग्लादेशी नागरिक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने दिल्ली और कोलकाता के विभिन्न स्थानों पर पोस्टर लगाए थे। यह भी सामने आया कि कोलकाता के कई मेट्रो स्टेशनों पर इसी प्रकार की गतिविधियां की गई थीं। आरोपियों को निर्देश देने वाला शख्स शब्बीर अहमद लोन बताया गया, जो जम्मू कश्मीर के गंदेरबल का निवासी है और पूर्व में लश्कर ए तैयबा से जुड़ा रहा है। वर्ष 2007 में उसकी गिरफ्तारी के बाद वह जेल में रहा और 2019 में रिहा हुआ। जांच एजेंसियों का दावा है कि रिहाई के बाद उसने फिर से आतंकी संपर्क स्थापित किए और एक नया मॉड्यूल खड़ा करने की कोशिश की। आतंकवाद की यही प्रवृत्ति सबसे अधिक चिंताजनक है कि वह बार बार नए चेहरों और नई रणनीतियों के साथ सामने आता है। कभी वह हथियारों के जरिए हमला करता है, कभी वैचारिक युद्ध के माध्यम से समाज में जहर घोलने की कोशिश करता है। पोस्टर जैसे प्रतीत होने वाले साधारण माध्यम का उपयोग भी यदि किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा हो सकता है, तो यह सुरक्षा तंत्र के लिए गंभीर चेतावनी है। तमिलनाडु से छह बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी ने इस पूरे प्रकरण को और व्यापक बना दिया है। जांच में यह संकेत मिले कि इन लोगों को किसी बड़ी वारदात के लिए तैयार किया जा रहा था। सुरक्षा एजेंसियां अब इनके नेटवर्क, फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की पड़ताल कर रही हैं। यह भी जांच का विषय है कि किस प्रकार सीमापार बैठे हैंडलर भारत के भीतर युवाओं को प्रभावित करने या भ्रमित करने का प्रयास करते हैं। इस पूरे घटनाक्रम के समानांतर अरब सागर में विदेशी सामान की तस्करी का मामला

भी सामने आया, जिसमें अल मुख्तार नामक नाव से लगभग पांच करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी सिगरेट बरामद की गई। चार ईरानी नागरिकों को हिरासत में लिया गया और उनके पास से सैटेलाइट फोन जब्त किए गए। यद्यपि यह मामला सीधे तौर पर आतंकवाद से जुड़ा हुआ सिद्ध नहीं हुआ है, परंतु तस्करी, अवैध वित्तीय लेनदेन और आतंकी गतिविधियों के बीच संबंधों को नकारा नहीं जा सकता। कई बार ऐसे अवैध माध्यम ही आतंकवाद की फंडिंग का आधार बनते हैं। आतंकवाद केवल बंदूक और बम का नाम नहीं है। यह एक विचारधारा भी है जो असंतोष, कट्टरता और भ्रम के सहारे पनपती है। जब कोई संगठन युवाओं को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए प्रेरित करता है, तो वह केवल कानून का उल्लंघन नहीं करता बल्कि समाज की एकता और विश्वास को भी तोड़ने का प्रयास करता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में जहां अनेक धर्म, भाषाएं और संस्कृतियां साथ रहती हैं, वहां ऐसी गतिविधियां सामाजिक सौहार्द के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। सुरक्षा एजेंसियों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था मजबूत है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को हल्के में नहीं लिया जाता। तकनीकी निगरानी, खुफिया सूचनाओं का आदान प्रदान और राज्यों के बीच समन्वय ने इस साजिश को नाकाम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किंतु यह भी सत्य है कि आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई केवल सु-रक्षा बलों के भरोसे नहीं लड़ी जा सकती। समाज की सजगता, नागरिकों की जिम्मेदारी और युवाओं में सका-रात्मक सोच का विकास भी उतना ही आवश्यक है। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से कट्टरपंथी विचारों का प्रसार तेज गति से होता है। सीमापार बैठे तत्व भ्रामक सूचनाओं और उकसावे के जरिए युव-ाओं को अपने जाल में फंसाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में शिक्षा, जागरूकता और संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि युवाओं को सही दिशा, रोजगार और अभिव्यक्ति के स्वस्थ अवसर मिलें, तो वे किसी भी भटकाव का शिकार नहीं होंगे। भारत ने पिछले दशकों में आतंकवाद की भारी कीमत चुकाई है। जम्मू कश्मीर से लेकर महानगरों तक अनेक निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई है। इसलिए प्रत्येक साजिश का समय रहते पदार्फाश होना न केवल सुरक्षा की जीत है, बल्कि यह उन सभी नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह भी है जो शांति और विकास का सपना देखते हैं। इस घटना से यह स्पष्ट संदेश जाता है कि आतंकवाद चाहे वैचारिक हो या सशस्त्र, उसकी जड़ें काटने के लिए बहुआयामी रणनीति आवश्यक है। सीमाओं की सुरक्षा, खुफिया तंत्र की मजबूती, वित्तीय लेनदेन पर निगरानी और समाज में जागरूकता का विस्तार एक साथ चलना चाहिए। साथ ही, जो लोग भटक चुके हैं, उनके पुनर्वास और मुख्यधारा में लौटने के प्रयास भी किए जाने चाहिए, ताकि वे फिर किसी साजिश का हिस्सा न बनें। अंततः यह समझना होगा कि आतंकवाद का लक्ष्य केवल भय फैलाना नहीं होता, बल्कि वह राष्ट्र की एकता और विश्वास को कमजोर करना चाहता है। जब देश की एजेंसियां सतर्कता और समन्वय के साथ ऐसी साजिशों को विफल करती हैं, तो यह लोकतंत्र की शक्ति और सामूहिक संकल्प का प्रतीक बनता है। भारत की विविधता, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों की सजगता ही आतंकवाद के विरुद्ध सबसे बड़ी ढाल है। यदि हम सभी मिलकर शांति, सद्भाव और कानून के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करें, तो कोई भी आतंकी साजिश हमारे राष्ट्रीय आत्मविश्वास को डिगा नहीं सकती है।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा: सत्य का आईना या संस्था की गरिमा पर प्रहार?

न्यायपालिका भारत के लोकतंत्र का संरक्षक स्तंभ है, जो संविधान की रक्षा करता है और नागरिकों को न्याय का आश्वासन देता है। लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सोशल साइंस किताब पर सख्त रुख अपनाते हुए छपाई, वितरण और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। किताब के हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका अध्याय में न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार, लंबित मामलों की भारी संख्या, जजों की कमी और पूर्व सीजेआई बी.आर. गवई के बयानों का उल्लेख था। सीजेआई सूर्यकांत ने इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की गहरी और सोची-समझी साजिश करार दिया तथा शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। विवादित अध्याय के लेखकों की पहचान, उनकी योग्यता और सिलेबस फ्रेमिंग बैठकों की कार्यवाही प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। यह घटना न केवल शिक्षा नीति पर सवाल उठाती है, बल्कि संस्थागत गरिमा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भ्रष्टाचार पर खुली चर्चा के बीच संतुलन की बहस को जन्म देती है। क्या स्कूली पाठ्यक्रम में ऐसी चर्चा गलत है? या यह समाज को सतर्क करने का माध्यम है? भारतीय संविधान अनुच्छेद 19(एक) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन अनुच्छेद 19(दो) में उचित प्रतिबंध भी हैं, जिनमें न्यायालय की अवमानना शामिल है। सुप्रीम कोर्ट का कदम अवमानना अधिनियम 1971 के दायरे में आता है, जहां न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री दंडनीय है। कोर्ट ने तर्क दिया कि अध्याय चुनिंदीय (सेलेक्टिव) था न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार का उल्लेख तो प्रमुख था, लेकिन विधायिका या कार्यपालिका पर ऐसा कोई जिक्र नहीं। लंबित मामलों को मैसिव बैकलॉग कहना और जजों की कमी को चुनौती के रूप में पेश करना संस्था को कमजोर दिखाता है। पूर्व सीजेआई गवई के बयान का संदर्भ बिना पूर्ण संदर्भ के लिया गया, जो भ्रामक था। कोर्ट ने इसे डीप-रूटेड कांस्पिरेसी कहा, जो संकेत देता है कि यह केवल शैक्षणिक चूक नहीं, बल्कि सुनियोजित प्रयास हो सकता है। एनसीईआरटी द्वारा हाल में संशोधित पाठ्यक्रम में ऐसी सामग्री शामिल करना शिक्षा मंत्रालय की लापरवाही दशार्ता है। सिलेबस एक्सपर्ट कमिटी की बैठकों में पा-रदर्शिता की कमी पर सवाल उठे हैं क्या लेखक राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित थे? कोर्ट ने गहन जांच का

भरोसा दिलाया है, जो स्वागतयोग्य है। भ्रष्टाचार पर चर्चा लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार, भारत का करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2025 में 40/100 रहा, जो न्यायपालिका सहित संस्थाओं की चुनौतियों को रेखांकित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं ब्रह्मावर्त हॉस्टल मामले या मेडिकल एडमिशन घोटालों में भ्रष्टाचार पर तीखी टिप्पणियां की हैं। जस्टिस जे.एस. वर्मा ने कहा था कि ज्यूडिशियरी में भ्रष्टाचार का एक मामला भी पूरी संस्था को दागदार बनाता है। लेकिन स्कूली किताब में इसे सामान्यीकृत कर पेश करना उचित नहीं। बच्चे 13-14 वर्ष के होते हैं उन्हें तथ्यपरक ज्ञान दें, न कि पूर्वाग्रहपूर्ण दृष्टिकोण। अध्याय जवाबदेही, शक्तियों के पृथक्करण और सुधारों (जैसे फास्ट-ट्रैक कोर्ट, जजों की भर्ती) पर केंद्रित होता तो उपयोगी होता। वर्तमान रूप में यह नकारात्मकता बोता है, जो युवा पीढ़ी में न्यायपालिका के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां पंचायती राज मजबूत है, स्थानीय न्याय व्यवस्था पहले से जूझ रही है—ऐसी सामग्री से ग्रामीण बच्चे हतोत्साहित होंगे। एनसीईआरटी की भूमिका पर सवाल उठना स्वाभा-विक है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत पाठ्यक्रम सरलीकृत और भारतीयता-केंद्रित बनाने का लक्ष्य था, लेकिन यह विवाद उलटा असर डाल रहा है। मंत्रालय को सिलेबस फ्रेमिंग में बहुपक्षीय परामर्श अनिवार्य करना चाहिए—शिक्षाविद्, न्यायिक विशेषज्ञ, अभिभावक संगठन शामिल हों। लेखकों की योग्यता जांचे क्या वे राजनीति विज्ञान के विशेषज्ञ हैं या सामान्य शिक्षक? कोर्ट ने डिजिटल कॉपियां भी जब्त करने को कहा, जो साइबर युग में चुनौतीपूर्ण है। लेकिन यह कदम आवश्यक था, क्योंकि गलत सूचना वायरल हो सकती थी। वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी जैसे वरिष्ठों ने कोर्ट में इसे चुनिंदीय बताया, जो बहस को मजबूत करता है। अब जांच से यदि साजिश सिद्ध हुई, तो जिम्मेदारों पर अवमानना का मुकदमा चलेगा। यह मामला व्यापक सुधारों की मांग करता है। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार रोकने हेतु राष्ट्रीय न्यायिक आयोग (एनजेएसी) को मजबूत बनाएं, जो जजों की नियुक्ति पारदर्शी करे। ई-कोर्ट प्रोजेक्ट को तेज करें, ताकि लंबित मामले घटें वर्तमान 5 करोड़ से अधिक हैं। जजों की संख्या बढ़ाने हेतु विधायी सहमति लें। शिक्षा में भ्रष्टाचार को नैतिकता के अध्याय में शामिल करें, न कि संस्था-विशेष पर प्रहार के रूप में। अभिव्यक्ति स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन संस्था की गरिमा सर्वोपरि। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप सही दिशा में है—यह चेतावनी है कि शिक्षा भ्रष्टाचार नहीं बोएगी। एनसीईआ-रटी को पाठ्यक्रम पुनरीक्षण कर तथ्यपरक, संतुलित सामग्री सुनिश्चित करनी चाहिए। सरकारें पारदर्शिता बढ़ाएं आरटीआई से सिलेबस प्रक्रिया खुली हो। जनता जागरूक बने, क्योंकि मजबूत न्यायपालिका ही मजबूत भारत है। यदि भ्रष्टाचार पर चर्चा सुधार लाए, तो स्वागतयोग्य; अन्यथा यह साजिश मात्र। सुप्रीम कोर्ट की जांच से सत्य सामने आएगा, और शिक्षा प्रणाली मजबूत बनेगी। लोकतंत्र में संतुलन ही सफलता की कुंजी है।

बदलते रिश्तों का सच

दिल्ली की एक पारिवारिक अदालत का दृश्य आज के शहरी भारत की बदलती सामाजिक तस्वीर को बयान करता है। सुबह के दस बजे हैं। एक युवा महिला, जिसकी उम्र मुश्किल से तीस के आसपास होगी, शांत चेहरे के साथ न्यायालय की बेंच पर बैठी है। उसकी आंखों में घबराहट नहीं, बल्कि एक ठोस निर्णय का संतुलन दिखाई देता है। तीन वर्ष पहले इसी महिला का विवाह पूरे उत्साह और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ हुआ था, किंतु आज वह अपने वैवाहिक संबंध को कानूनी रूप से समाप्त करने के लिए उपस्थित है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों की कहानी है जिनके रिश्ते समय, अपेक्ष-ाओं और बदलती सामाजिक संरचना के दबाव में टूट रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आंकड़े संकेत देते हैं कि पिछले दो दशकों में वैवाहिक विच्छेद के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां दो दशक पहले विवाहित महिलाओं में अलगाव या विवाह विच्छेद का प्रतिशत लगभग 0.6 था, वहीं अब इसमें वृद्धि दर्ज की गई है। शहरी भारत में पुरुषों और महिलाओं दोनों में ऐसे मामलों का अनुपात बढ़ा है। यद्यपि भारत की कुल दर अभी भी कई देशों की तुलना में कम है, परंतु महानगरों में पिछले तीन वर्षों में मामलों की संख्या तीन गुना तक बढ़ने की बात विभिन्न शोध रिपोर्टों में सामने आई है। औसतन महिलाओं की आयु लगभग 31 वर्ष और पुरुषों की 36 वर्ष बताई जाती है जब वे वैवाहिक संबंध समाप्त करने का निर्णय लेते हैं। भारतीय समाज में ह्यतलाकह्ण शब्द मूलतः विदेशी पृष्ठभूमि से आया हुआ माना जाता है। पारंपरिक भारतीय संस्कृति में विवाह को एक अटूट संस्कार के रूप में देखा गया है, जो केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का संबंध होता था। प्राचीन ग्रंथों में विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। यही कारण है कि लंबे समय तक विवाह विच्छेद की अवधारणा सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं थी। हालांकि इतिहास के विभिन्न कालखंडों में कुछ समुदायों में अलगाव की परंपराएं थीं, परंतु व्यापक रूप से समाज ने इसे प्रोत्साहित नहीं किया। आधुनिक विधिक व्यवस्था के आने के बाद विवाह को समाप्त करने की स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया स्थापित हुई, जिसने व्यक्तिगत अधिकारों को संरक्षण दिया। आज के समय में वैवाहिक विच्छेद के प्रमुख कारणों में क्रूरता, घरेलू हिंसा, लगातार विवाद, परित्याग, विवाह पूर्व छल, अविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार लगभग 23 प्रतिशत मामलों में क्रूरता और 14 प्रतिशत में घरेलू हिंसा प्रमुख कारण के रूप में सामने आती है। शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने विशेषकर

महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाया है। पहले जहां अधिकांश मामलों में पहल पुरुषों द्वारा की जाती थी, वहीं अब लगभग 58 प्रतिशत मामलों में महिलाएं स्वयं याचिका दायर कर रही हैं। यह परिवर्तन केवल वैवा-हिक असंतोष का संकेत नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना में हो रहे व्यापक बदलावों का द्योतक है। महानगरों जैसे मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता में जीवनशैली, पेशेगत दबाव और व्यक्तिगत आकांक्षाओं का प्रभाव दांपत्य जीवन पर स्पष्ट दिखाई देता है। संयुक्त परिवारों के स्थान पर एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति ने भी दंपतियों को अधिक स्वतंत्र तो बनाया है, किंतु सहारा देने वाली पारिवारिक संरचना कमजोर हुई है। कई अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि विवाह के पहले तीन वर्षों में संबंध टूटने की संभावना अधिक रहती है। इस अवधि में अपेक्षाओं का टकराव, आर्थिक समायोजन और व्यक्तित्व भिन्नताएं तीव्र रूप में सामने आती हैं। वैश्विक तुलना करें तो मालदीव, रूस, अमेरिका और चीन जैसे देशों में विवाह विच्छेद की दर भारत से कहीं अधिक है। भारत में यह अभी भी एक प्रतिशत से कम बताई जाती है, जो दशार्ती है कि यहां विवाह संस्था अब भी अपेक्षाकृत मजबूत है। फिर भी बढ़ती संख्या यह संकेत देती है कि समाज संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। अदालतों द्वारा आपसी सहमति से अलगाव के मामलों में अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि को कुछ स्थितियों में कम किया जाना इस बात का संकेत है कि न्याय व्यवस्था भी प्रक्रियाओं को कम तनावपूर्ण और अधिक व्यावहारिक बनाने की दिशा में अग्रसर है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि वैवाहिक संबंध का अंत केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक अनुभव भी है। परिवार, विशेषकर बच्चों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए विशेषज्ञ संवाद, परामर्श और मध्यस्थता को महत्वपूर्ण मानते हैं। यदि संबंध में सुधार संभव हो तो परामर्श केंद्रों की सहायता ली जानी चाहिए, किंतु यदि संबंध में हिंसा या गंभीर मानसिक पीड़ा हो तो सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का अधिकार सर्वोपरि है। जहां तक बहुपत्नी प्रथा का प्रश्न है, इतिहास में भारत के कुछ समुदायों और राजघरानों में यह प्रचलित रही है, परंतु आधुनिक भारतीय कानून के अंतर्गत अधिकांश समुदायों में एक पत्नी या एक पति की व्यवस्था को ही मान्यता दी गई है। इसलिए यह कहना कि यह प्रवृत्ति हाल के वर्षों में आरंभ हुई है, ऐतिहासिक दृष्टि से सटीक नहीं माना जा सकता। आज का कानूनी ढांचा समानता और अधिकारों पर आधारित है, जो विवाह संस्था को भी संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप संचालित करता है। अंततः यह स्पष्ट है कि भारतीय समाज एक महत्वपूर्ण परिवर्तन काल से गुजर रहा है। परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन खोजने की प्रक्रिया जारी है। विवाह अब भी एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है, किंतु इसके भीतर सम्मान, समानता और सुरक्षा की अपेक्षा पहले से अधिक मुखर हुई है। बढ़ते वैवाहिक विच्छेद केवल संबंधों के टूटने की कहानी नहीं, बल्कि व्यक्तिगत स्वायत्तता, अधिकार चेतना और सामाजिक पुनर्संरचना की भी कथा है। आने वाले समय में यह आवश्यक होगा कि परिवार, समाज और विधिक व्यवस्था मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करें जहां विवाह केवल सामाजिक दबाव का परिणाम न होकर पारस्परिक सम्मान और समझ का संबंध बने, और यदि उसे समाप्त करना पड़े तो वह भी गरिमा और न्याय के साथ संभव हो ।

हरियाणा में कब होगी बारिश एक्टिव हो रहे दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस

मौसम विभाग ने जारी किया 4 मार्च तक का पूर्वानुमान

हिसार, एजेंसी। हरियाणा में 4 मार्च तक मौसम आमतौर पर सूखा रहने वाला है। हालांकि, मौसम के बदलते रहने की भी उम्मीद जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आने की उम्मीद है, लेकिन दोनों ही कमजोर हैं, जिससे बारिश की संभावना कम है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, हिसार के एग्रीकल्चरल मेटियोरोलॉजी डिपार्टमेंट के हेड डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि पहला वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, जिसके कुछ असर से 28 फरवरी और 1 मार्च को राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम हवाएं चलने की संभावना है। वहीं दूसरा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस 3 मार्च की रात को आएगा, जिसके कुछ असर से 4 मार्च को मौसम बदलने की संभावना है। इस दौरान हवाओं की दिशा बीच-बीच में बदलने के आसार हैं। इस दौरान तापमान में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखी जा सकती है।

होली पर घर जाने की होड़, फरीदाबाद में उमड़ी कामगारों का भीड़; हरियाणा रोडवेज चलाएगा अतिरिक्त बसें

बल्लभगढ़ एजेंसी। होली चार मार्च को है। इसे लेकर औद्योगिक नगरी के कामगारों, जो मूल रूप से सीमावर्ती जिलों के निवासी हैं, ने अपने घरों के लिए जाना शुरू कर दिया है। किसी को अपने घर जाने में परेशानी का सामना न करना पड़े इसे ध्यान में रखते हुए हरियाणा रोडवेज ने राजा नाहर सिंह बस अड्डा बल्लभगढ़ से अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला लिया है। औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां पर छोटी-बड़ी 30 हजार फैक्ट्री व वर्कशॉप चल रही हैं। इनमें अलीगढ़, मथुरा, बुलंदशहर, आगरा, भरतपुर, अलवर, नूंह, पलवल, गुरुग्राम, सोनीपत जिले लाखों कामगार हैं। यह कामगार अपने परिवार या फिर अकेले यहां पर किराये पर रहते हैं। यह लोग दीवाली और होली के मौके पर अक्सर अपने घरों को जाते हैं। इसकी वजह से बल्लभगढ़ बस अड्डे पर जाने वालों की हजारों की संख्या में रोजाना भीड़ लगी रहती है।

लटक कर सफर करने को होते हैं मजबूर : कई बार यह लोग डग्गामार बसों और कैब व अवैध रूप से चल रही बस, कारों में बैठ कर जाते हैं। कई बार लोग बैठने की जगह न मिलने के कारण खिड़कियों पर लटक कर या बसों की छतों पर बैठ कर जाते हैं। इन लोगों की परेशानी को देखते हुए हरियाणा रोडवेज ने राजा नाहर सिंह बस अड्डे इन क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला लिया है।

दिल्ली पुलिस को मिली तेजस की ताकत, क्राइम कंट्रोल के लिए सड़कों पर उतरे एआई वाले 'योद्धा'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने साउथ-ईस्ट दिल्ली में तेजस पेट्रोल नाम से एक नई पहल शुरू की है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर मधुप तिवारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में एआई-पावर्ड तेजस हाईवे पेट्रोल फ्लीट को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर मधुप तिवारी ने कहा कि हमने ञ्जश्वछ्वस्न नाम की एक पहल शुरू की है। इसमें खासकर रात में असरदार पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के लिए योद्धा गाड़ियां तैयार की गई हैं। इनके जरिये हम इलाके में डीप पेट्रोलिंग करेंगे। इनमें ्नढ्ढ लगा है और कई तरह डिवाइस हैं, जो पेट्रोलिंग में हमारी मदद करेंगे... अभी के लिए, हमने 5 योद्धा गाड़ियां और मोटरसाइकिल तैयार की हैं।

विजिबल पुलिसिंग को मजबूत करना मसकद : एक अधिकारी ने बताया इस पहल का मकसद विजिबल पुलिसिंग को मजबूत करना, अपराध की रोकथाम को बढ़ाना और कमजोर इलाकों में तेजी से रेस्पॉन्स देना है। उन्होंने कहा कि यह पहल रूटीन पेट्रोलिंग से हटकर एक स्ट्रक्चर्ड, इंटेलिजेंस-लेड एरिया डॉमिनेशन मॉडल की ओर बदलाव है, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी और रियल-टाइम मॉनिटरिंग का सपोर्ट मिला है।

मोबाइल कमांड यूनिट के तौर पर काम करेंगे खास चार पहिया वाहन : इसके तहत खास चार पहिया वाहन मोबाइल कमांड यूनिट के तौर पर काम करेंगे, जबकि दो पहिया वाहन संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाली जगहों तक तेजी से पहुंच सुनिश्चित करेंगे।

ऑटोमेटेड डैशबोर्ड के जरिये पेट्रोलिंग मूवमेंट पर नजर रहेगी: पुलिस के मुताबिक, डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम ऑटोमेटेड डैशबोर्ड के जरिये पेट्रोलिंग मूवमेंट पर नजर रखेगा, जो स्पेशल कवरेज और डिप्लॉयमेंट मेट्रिक्स को ट्रैक करेगा ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। यह सिस्टम एआई-रेडी है और हॉटस्पॉट मैपिंग और डेटा-बेस्ड रिसोर्स एलोकेशन को आसान बनाएगा।

आदतन अपराधियों पर कसेगा शिकंजा : तेजस पेट्रोल टीम आदतन अपराधियों के खिलाफ सरप्राइज चेकिंग और टारगेटेड ड्राइव भी चलाएगी। दिल्ली पुलिस का फोकस लगातार और अनप्रेडिक्टेबल विजिबिलिटी के जरिये रोकथाम पर है ताकि लोगों का भरोसा बढ़े और जिले में सड़क सुरक्षा बेहतर हो।

पहले प्यार में मिला धोखा, फिर लिफ्ट देने वाले दरिंदे ने रेप कर ले ली जान; खौफनाक वारदात

जगतसिंहपुर, एजेंसी। ओडिशा के जगतसिंहपुर में दिल दहला देने वाली वारदात। प्रेमी के धोखे के बाद एक अनजान युवक ने लिफ्ट के बहाने 23 वर्षीय युवती से दुष्कर्म किया और पुलिस से शिकायत की धमकी देने पर उसे चौथी मंजिल से फेंक दिया। पूरी खबर पढ़ें। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में एक 23 वर्षीय युवती के साथ दरिंदगी और हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में युवती के प्रेमी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने युवती को धोखा दिया, उसके साथ रेप किया और फिर उसे एक मकान की चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक अंकित कुमार वर्मा ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए प्रेमी की उम्र 31 साल है। वहीं दूसरा आरोपी 24 साल का है, जो मूल रूप से झारखंड के धनबाद का रहने वाला है और पारादीप की एक निजी कंपनी में काम करता है।

शादी का झांसा और प्रेमी का धोखा : पुलिस के अनुसार, घटना की शुरुआत रविवार को हुई जब युवती अपने प्रेमी के साथ शादी करने के लिए तिरतोल स्थित एक मंदिर गई थी। लेकिन वहां प्रेमी ने उसे धोखा दे दिया। सुनसान जगह का फायदा उठाते हुए उसने कथित तौर पर युवती के साथ मारपीट की और उसे एक बस स्टैंड पर अकेला छोड़कर वहां से फरार हो गया।

लिफ्ट के बहाने ले गया और किया रेप : रविवार शाम के समय, नशे में धुत झारखंड निवासी दूसरे आरोपी ने बस स्टैंड पर अकेली खड़ी युवती को अपनी मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने की पेशकश की। अनजान शहर में परेशान युवती ने उस पर भरोसा कर लिया और उसके साथ चली गई। आरोपी उसे अपने किराए के मकान में ले गया और वहां उसके साथ कथित तौर पर रेप किया। एफआईआर की धमकी देने पर की हत्या जब युवती ने इस दरिंदगी के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराने की धमकी दी, तो आरोपी घबरा गया और उसने युवती को इमारत की चौथी मंजिल से नीचे धक्का दे दिया। सिर में गंभीर चोटें आने के कारण युवती की दर्दनाक मौत हो गई।

फरीदाबाद के बाटा आरओबी की जर्जर सड़क पर काम अब भी शुरू नहीं, पीडब्ल्यूडी के आश्वासन से लोग परेशान

बल्लभगढ़ (फरीदाबाद), एजेंसी। एक सप्ताह और बीत गया है। औद्योगिक नगरी के प्रवेश द्वार बाटा रेलवे ओवरब्रिज पर सड़क बनाने का काम शुरू नहीं हो पाया। लोक निर्माण विभाग(बीएंडआर) पहले की तरह से आश्वासन के बाद भी काम शुरू नहीं किया।

दो महीने से विभाग लगातार काम शुरू करने की तारीख दे रहा है, किंतु तारीख पर तारीख के बाद नहीं शुरू हो रहा है तो निर्माण कार्य, जिसकी नितांत आवश्यकता है।

अब तो यहां से निकलने वाले हजारों वाहन चालकों का विभागीय अधिकारियों पर से विश्वास उठता जा रहा है। यह हाल तब है जब नवंबर-2025 में 70 लाख का टेंडर छोड़ा जा चुका है। बाटा आरओबी को पीडब्ल्यूडी ने 2000 में बनवाया था। इसके बाद विभाग ने 2008 में एक बार सड़क बनाई थी। तब से विभाग ने सड़क के गड्ढों पर पैचवर्क तो किया, लेकिन कभी पूरी तरह से सड़क बनी हो, ऐसा दिन देखने को नहीं मिला। तीन विधानसभा क्षेत्रों बड़खल, बल्लभगढ़ व एनआइटी को जोड़ने वाला यह

पुल औद्योगिक नगरी एनआइटी का प्रवेश द्वार है। और दिलचस्प बात यह है कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों के विधायक भाजपा से हैं, उसके बावजूद महत्वपूर्ण सड़क नहीं बन पा रही। सड़क पर गहरे व चौड़े गड्ढे हो गए हैं। दिन में तो बचते-बचाते इधर उधर से वाहन चालक निकल जाते हैं, पर स्ट्रीट लाइट न होने की वजह से रात के अंधेरे में वाहनों को गड्ढों से निकलने में दिक्कत होती है।

बाटा आरओबी से आते-जाते हैं इन क्षेत्रों के लोग : एनआइटी नंबर-एक, दो इंडस्ट्रियल एरिया, सारन, जवाहर कालोनी, डबुआ कालोनी, डबुआ गांव, पर्वतीय कालोनी, प्रेस कालोनी, सेक्टर सात, आठ, नौ, 10 और 11 के लोग बाटा आरओबी से आवागमन करते हैं। बाटा आरओबी की सड़क में बनने गड्ढों से हजारों वाहन चालक हो रहे परेशान। बाटा मोड़ से बाटा चौक तक पुल से उतरते ही हार्डवेयर चौक से बायीं तरफ रोड औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर-24 को जाती है, दायीं तरफ और आगे घना रिहायशी क्षेत्र के साथ-साथ जिले की सबसे बड़ी डबुआ सब्जी मंडी, आगे भारतीय खाद्य निगम का भंडारण गृह व उससे आगे रास्ता सैनिक कालोनी होते हुए गुरुग्राम को जाता है। इस नाते रोज़ाना 50 हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहन निकलते हैं। सड़क में बने गड्ढों की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। पहले ग्रेप के कारण निर्माण न होने, कभी वर्षा व कोहरा होने के चलते काम नहीं हो सकता की बात होती रही। अब इस माह जब मौसम पूरी तरह से साफ हो गया, तो बताया गया कि एक सप्ताह बाद काम शुरू कर देंगे, पर एक सप्ताह और बीत चुका है, काम शुरू नहीं हुआ।

राजस्थान में गाय चराने पर मिलेगा हर महीने 10 हजार रुपये, हर गांव में नियुक्त होगा एक ग्वाला

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार ने गोवंश को चराने के लिए गांव ग्वाला योजना प्रारंभ की है। इस योजना के तहत प्रत्येक गांव में एक ग्वाला नियुक्त किया जाएगा। ग्वाला प्रतिदिन सुबह गांव के सभी गोवंश को एकत्र कर गोचर भूमि में लेकर जाएगा। दिनभर गोवंश को चराने के बाद सुरक्षित रूप से वापस मालिक के घर तक छोड़ेगा। राजस्थान के पंचायती राजमंत्री मदन दिलावर ने बताया कि प्रत्येक ग्वाला को दस हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाएगा। इस योजना की शुरूआत पिछले दिनों कोटा जिले के रामगंजमंडी से पंचायती राजमंत्री ने की थी। पंचायती राजमंत्री ने बताया कि रामगंजमंडी उपखंड में 14 ग्वाले नियुक्त किए गए हैं। राज्य के सभी गांवों में इस योजना को लागू किया जाएगा। इस योजना का मुख्य मकसद गोवंश को सरंक्षित करना है।

दिल्ली में किराड़ी की समस्या का होगा समाधान

200 करोड़ में बनेंगे दो नाले

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को 'प्रवास कार्यक्रम' के तहत उत्तर-पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के लोगों के बीच पहुंचीं और सरकार के पिछले एक वर्ष के कामों का वार्षिक रिपोर्ट कार्ड साझा किया। उन्होंने कहा कि अगले 27 साल तक दिल्ली सरकार बनाए रखने के लिए दिल्ली की जो सेवा करनी है, उसके लिए लगातार काम करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री किराड़ी की जल निकासी के लिए अहम घोषणा की, कहा- किराड़ी में दो ड्रेन बनाई जाएंगीं। उन्होंने बताया कि एक ड्रेन पर 120 करोड़ व दूसरी पर 64 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शुक्रवार को रोहिणी सेक्टर-32 ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनी सरकार के एक साल के कार्यकाल के दौरान किए विकास कार्यों को गिनाया और साथ ही आने वाले समय में होने वाले कार्यों के बारे में लोगों को अवगत कराया।

सीवर की लाइन पर भी चल रहा काम : उन्होंने कहा कि सरकार कोशिश की है, दिल्ली के सभी गांव बसों से जोड़ा जाए। अभी चार हजार बसें हैं, इस संख्या को 14 हजार तक पहुंचाया जाएगा। वर्षों से जो सड़कें टूटी पड़ी थीं, वहां आज नई सड़कें बन रही हैं। पानी की पाइप लाइन, सीवर की लाइन पर भी काम चल रहा है। वहीं, घेवरा में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के लिए काम शुरू कर दिया है। नए मास्टर प्लान का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। सरकार जल्द ही नया मास्टर प्लान घोषित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली अब सिर्फ विज्ञापनों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर असली विकास हो रहा है। उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह क्षेत्र लंबे समय तक उपेक्षित रहा। लेकिन पिछले एक साल में भाजपा सरकार ने 'अंत्योदय से ग्रामोदय' के लक्ष्य के साथ यहां विकास की ठोस शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि वे मुंडका, बवाना, नरेला, किराड़ी और सुल्तानपुर माजरा जैसे ग्रामीण इलाकों में आती हैं तो उन्हें अपने परिवार के बीच होने का अनुभव होता है।

उन्होंने बताया कि इस दौरान क्षेत्र में सड़क, पानी और सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं का युद्धस्तर पर विस्तार किया गया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नए प्रोजेक्ट्स को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मुंडका विधानसभा क्षेत्र के लिए 264 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाना यहां के लिए बड़ी सौगात है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली की 10 विधानसभाओं में भले ही कुछ क्षेत्रों का नेतृत्व विपक्ष कर रहा हो। लेकिन भाजपा सरकार के लिए 'दल से बड़ी जनता' और 'राष्ट्र प्रथम' का आदर्श सर्वोपरि है।

जेएनयू में संग्राम: छात्रों ने कुलपति का पुतला फूंका, कैंपस के बाहर हाई सिक्योरिटी अलर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एक बार फिर से सुर्खियों में है। जेएनयू वाइस चांसलर के कथित जातिवादी कमेंट्स और यूजीसी रेगुलेशन लागू करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद माहौल गरमाया हुआ है। उधर, छात्रों को हिरासत और गिरफ्तार करने के विरोध में एक बार फिर जेएनयू के बाहर माहौल गरमाया हुआ है। वहीं, रात में छात्र कुलपति का पुतला जलाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से मौके पर हाई सिक्योरिटी कर दी गई। इसके बावजूद भी छात्रों ने कुलपति का पुतला फूंक दिया। जेएनयू परिसर के बाहर प्रदर्शन को लेकर झड़प मामले में पुलिस ने छात्र संघ अध्यक्ष समेत 14 छात्रों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने छात्रों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, चोट पहुंचाने आदि धाराओं में केस दर्ज किया था। बता दें कि पकड़े गए छात्रों में जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष नीतीश कुमार, उपाध्यक्ष गोपिका के बाबू व संयुक्त सचिव दानिश अली आदि शामिल हैं।

पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया : पुलिस ने पकड़े गए छात्रों को शुक्रवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को 25-25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई। पुलिस के मुताबिक, जेएनयू छात्रसंघ ने गुरुवार को विरोध मार्च का आह्वान किया था। छात्र जेएनयू से शिक्षा मंत्रालय तक विरोध मार्च निकालना चाहते थे। करीब 400 से 500 छात्र परिसर के बाहर निकल आए। छात्रों को बताया गया कि जेएनयू प्रशासन की तरफ से इस तरह के विरोध मार्च की अनुमति नहीं है। इसलिए वह कैंपस तक सीमित रहें। पुलिस द्वारा लगातार बातचीत और अपील करने के बाद भी छात्र विरोध मार्च निकालने पर अड़े रहे। रोके जाने पर छात्रों ने बैरिकेड्स को नुकसान पहुंचाया। पुलिसकर्मियों पर बैनर, डंडे व चप्पल फेंकी गई। पुलिस वालों से मारपीट करने के अलावा उन्हें दांत से भी काटा गया। छात्रों के इस उग्र प्रदर्शन के दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने इस संबंध में बीएनएस की धारा 221, 121(1), 132, 3(5) के तहत वसंतकुंज उत्तर थाने में एफआइआर दर्ज की।

बंगाल एसआईआर: वोटर लिस्ट पर गहराया संकट, सबसे ज्यादा मुस्लिम बहुल जिलों में कट सकते हैं नाम

कोलकाता, एजेंसी। एक अधिकारी ने बताया कि 11 फरवरी के बाद से माइक्रो-ऑब्जर्वर्स ने उन मामलों को भी वापस भेजना शुरू कर दिया जिन्हें पहले हरी झंडी मिल चुकी थी। इसमें एक सेवारत वरिष्ठ आईएएस अधिकारी का नाम भी शामिल बताया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले मतदाता सूची को लेकर एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। राज्य में शनिवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने वाली है, लेकिन करीब 60,06,675 मतदाताओं के नाम पर अभी भी असमंजस के बादल छाए हुए हैं। ये कुल मतदाताओं का लगभग 8.5 प्रतिशत हिस्सा हैं, जिनकी पात्रता की समीक्षा अब निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के बजाय सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारी कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग के वैधानिक अधिकारियों ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि उन्होंने पूरी सावधानी से दस्तावेजों की जांच कर लाखों नामों को मंजूरी दे दी थी। हालांकि आयोग द्वारा नियुक्त माइक्रो-ऑब्जर्वर्स द्वारा विसंगतियां बताए जाने के बाद इन स्वीकृत नामों को सिस्टम से रिवर्स कर दिया गया।

हैरानी की बात यह है कि सुनवाई की अंतिम तिथि 14 फरवरी तक यह संख्या अचानक कुछ लाख से बढ़कर 60 लाख के पार पहुंच गई। एक अधिकारी ने बताया कि 11 फरवरी के बाद से माइक्रो-ऑब्जर्वर्स ने उन मामलों को भी वापस भेजना शुरू कर दिया जिन्हें पहले हरी झंडी मिल चुकी थी। इसमें एक सेवारत वरिष्ठ आईएएस अधिकारी का नाम भी शामिल बताया जा रहा है।

मुस्लिम बहुल जिलों में सबसे ज्यादा मामले लंबित : आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि मतदाता सूची से नाम कटने या समीक्षा के दायरे में आने का सबसे ज्यादा असर अल्पसंख्यक बहुल जिलों में दिख रहा है। मुर्शिदाबाद में 11 लाख, मालदा में 8.28 लाख, दक्षिण 24 परगना में 5.22 लाख, उत्तर 24 परगना में 5 लाख, झारग्राम में 6,682 और कालिम्पोंग में 6,790 मामले लंबित हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के 530 न्यायिक अधिकारी इस सप्ताह से इन 60 लाख मतदाताओं के भाग्य का फैसला कर रहे हैं। जब तक ये अधिकारी नामों को मंजूरी नहीं देते, ये मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में वोट नहीं डाल पाएंगे। अंतिम सूची में इनके नाम के आगे निर्णय के अधीन लिखा होगा, जिसे न्यायिक मंजूरी मिलने के बाद ही हटाया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में करीब 8,100 सूक्ष्म-प्रेक्षकों की नियुक्ति की थी, जो देश के किसी अन्य राज्य में नहीं किया गया। तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे चुनौती देते हुए आरोप लगाया है कि इन प्रेक्षकों ने वैधानिक अधिकारियों के अधिकारों का अतिक्रमण किया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग के अधिकारियों का तर्क है कि दस्तावेजों में भारी अनियमितताएं पाई गईं। आरोप है कि कई मामलों में एआई-जनरेटेड वोटर आईडी और अवैध दस्तावेज अपलोड किए गए थे। एक रोल ऑब्जर्वर ने बताया कि पुरुषों के आवासीय प्रमाण के रूप में ढ्ढष्टष्ठस्र प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज दिए गए थे।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने स्थिति को अत्यंत अनिश्चित बताया है। उन्होंने कहा कि अदालती हस्तक्षेप और बार-बार की अपीलों के कारण न्यायिक अधिकारियों द्वारा संशोधन की यह अनूठी मिसाल बनी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं की पात्रता पर सवाल उठना न केवल प्रशासनिक विफलता की ओर इशारा करता है, बल्कि यह चुनाव की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े करता है। यदि इन 60 लाख लोगों में से एक बड़ा हिस्सा वोट देने से वंचित रह जाता है तो इसके चुनावी परिणाम दूरगामी हो सकते हैं।

हरियाणा में रिश्तेदार के साथ मिलकर पत्नी ने पति को दी खौफनाक मौत

यमुनानगर,एजेंसी। अमर विहार कॉलोनी में मकान की छत पर मिले 27 वर्षीय युवक की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी व संबंधी पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। जिस तरह से पत्नी व संबंधी फरार हैं उससे प्रेम प्रसंग के चलते हत्या की आशंका है। अब तक की जांच में सामने आया कि वीरवार को मृतक व उसकी पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस ने मकान मालिक के बयान पर केस दर्ज किया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के गोंडा निवासी गुंजन कुमार ने सुषमा उर्फ रीना से दो वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था। हनुमान गेट जगाधरी निवासी दीपक सलोनिया ने पुलिस को बताया कि उसके मकान की दूसरी मंजिल पर गुंजन पत्नी सुषमा के साथ किराये पर रहता था।

हत्या के बाद भी नींद से नहीं जागी रेलवे पुलिस! स्टेशनों पर हर तरफ लापरवाही; बेसुध पड़े दिखे नशेड़ी और न लगे कैमरे

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के यार्ड में हाल ही में हुई हत्या की वारदात ने रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बता दें कि चार आरोपियों ने एक युवक की हत्या कर उसका शव ट्रेन के शौचालय में फेंक दिया था, जिसे बाद में रेवाड़ी में बरामद किया गया। मामले में जीआरपी ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन घटना ने स्टेशन की सुरक्षा खामियों को उजागर कर दिया है।

कई खामियां सामने आईं : शुक्रवार को स्टेशन की पड़ताल की गई तो कई लापरवाही सामने आईं। स्टेशन परिसर में वाहनों का प्रवेश बिना किसी सख्त जांच के हो रहा था। कई स्थानों पर न तो वाहनों की चेकिंग हो रही थी और न ही संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी दिखी। यात्रियों को भी बिना मेटल डिटेक्टर जांच

के प्लेटफार्म पर प्रवेश मिल रहा था। हालांकि, उनके सामान की जांच हो रही थी। वहीं, सबसे चिंताजनक स्थिति स्टेशन के यार्ड में देखने को मिली, जहां कोई सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं था। यार्ड क्षेत्र में बिना रोक-टोक लोगों की आवाजाही हो रही थी। यार्ड के बाहर कई नशेड़ी बेसुध हालत में पड़े मिले। वहां न तो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और न ही पुलिस की नियमित गश्त नजर आई।

रात के समय अंधेरा होने से हालात और गंभीर हो जाते हैं, जिससे आपराधिक तत्वों को वारदात अंजाम देने का अवसर मिल सकता है। करीब-करीब ऐसी ही स्थिति आनंद विहार रेलवे स्टेशन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर भी देखने को मिली। हालांकि, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नजर आए, जहां प्रवेश द्वारों पर जांच और सुरक्षाकर्मी तैनात दिखे।

हजरत निजामुद्दीन स्टेशन में भी सुरक्षा में खामी : हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के मेन गेट समेत दोनों आरओबी के प्रवेश व निकासी प्वाइंट पर सुरक्षा जांच सजगता से होती मिली, जबकि बीच में आरओबी पर यहां-वहां यात्रियों का जमावड़ा मिला। प्लेटफार्म पर भी इक्का-दुक्का सुरक्षा कर्मी ही दिखे। कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के जरिये निगरानी की जा रही थी।

वहीं, प्लेटफार्म नंबर एक से लेकर आठ पर यार्ड की ओर सुरक्षा में बड़ी खामी भी दिखी। इसी ओर से ट्रेनों के पार्सल यान में लगेज लोड होने के लिए लाए जाते हैं। सामने से टीटीई विश्रामालय की तरफ से कोई भी स्टेशन में आसानी से प्रवेश कर सकता है। यहां न तो सीसीटीवी कैमरे दिखे और न ही सुरक्षाकर्मी ही तैनात मिले। प्लेटफार्म नंबर दो-तीन, पांच और आठ पर भारी मात्रा में लगेज रखे मिले। प्लेटफार्म आठ पर दो सुरक्षाकर्मी तैनात मिले तो वहीं पांच और दो व तीन नंबर प्लेटफार्म पर स्थिति भगवान भरोसे मिली। आनंद विहार रेलवे स्टेशन के यार्ड में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंध नहीं दिखी। रेलवे लाइन के जरिये लोग यार्ड तक चोरी छिपे पहुंच जाते हैं। यह सुरक्षा में चूक हो सकती है। हालांकि, रेलवे प्लेटफार्म से यार्ड में आम लोगों का पहुंचना मुश्किल है। आरपीएफ व जीआरपी के जवान यार्ड के पास भी गश्त करते हैं।

अर्जेंटीना में होगी संग्राम सिंह की MMA फाइट, फ्रांस के युवा फाइटर से मुकाबला

नई दिल्ली। MMA खेल आइकन संग्राम सिंह के अर्जेंटीना की जमीन पर अपनी अगली फाइट की खबर के साथ ही वहां समुराई फाइट हाउस के अध्यक्ष मार्टिन पाकसियार्ज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे इलाके में रविवार, पांच अप्रैल को उनका फ्रांस के युवा फाइटर मौटेऊ मोंटेइरो से होने वाला मुकाबला मुख्य आकर्षण रहने वाला है, जहां युवा जोश और जुनून के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। संग्राम सिंह इस दिन MMA के समुराई फाइट हाउस 28 (SFH 28) के मुख्य मुकाबले में उतरने वाले हैं। किसी भारतीय MMA फाइटर का अर्जेंटीना की धरती पर फाइट करने का यह पहला मौका होगा।

अर्जेंटीना से आया संग्राम पर बड़ा बयान : मार्टिन पाकसियार्ज ने कहा कि जॉर्जिया और नीदरलैंड के एम्सटडर्म में संग्राम ने MMA की कला में जो जलवा दिखाया है, उससे अर्जेंटीना के लोगों में उनको लेकर जबरदस्त उत्साह है। वहां के लोग यह भी जानने को उत्सुक हैं कि जहां मिट्टी और गद्दे की कुश्ती खूब चर्चा का विषय बनती हो, वहां से इन दोनों तरह की कुश्ती करने वाले संग्राम सिंह ने MMA में कैसे अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और उम्र के 40 के पड़ाव को पार करने के बाद भी कोई कैसे MMA में सफलता के झंडे गाड़ सकता है। वह भारत में इस खेल के एम्बेसडर हैं। उनकी इस फील्ड में कामयाबी से भारत में भी इस खेल को अलग पहचान मिली है। अर्जेंटीना में संग्राम सिंह की मौजूदगी मील का पत्थर साबित होने वाली है।

मैट का अनुभव काम आया: पूर्व प्रोफेशनल रेसलर से मिक्स्ड मार्शल आर्ट के फाइटर बने संग्राम सिंह ने कहा कि जब उन्होंने ख्रूकी शुरुआत की तो हर किसी ने इस बात को लेकर हैरानगी जाहिर की थी कि रेसलिंग और MMA अलग दुनिया हैं लेकिन उन्हें विश्वास था कि मैट पर सीखा गया अनुशासन, फिटनेस और योद्धा की तरह जुझारूपन से वह MMA के मंच पर भी खुद को साबित करने में सफल रहेंगे। उनके हर मुकाबले से उनकी खेल कौशल (स्किल) में सुधार हुआ है।

अब तक का सबसे बड़ा मंच : संग्राम सिंह ने कहा कि नीदरलैंड और जॉर्जिया की फाइट ने उन्हें पहले से ज़्यादा मैच्योर और संपूर्ण फाइटर बनाने में मदद की है और अब अर्जेंटीना उनके सफर का अगला पड़ाव है, जहां वह अर्जेंटीनावासियों के दिल जीतने के अलावा अपने जीत के क्रम को बरकरार रखने के प्रति कृतसंकल्प हैं। अर्जेंटीना में MMA फाइट लड़ने वाले पहले भारतीय बनने पर संग्राम सिंह ने कहा कि समुराई फाइट हाउस दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित फाइट लीग में से एक है, जहां दुनिया भर के फाइटर हिस्सा लेते हैं। अर्जेंटीना में स्न॥ 28 का हिस्सा बनना और दक्षिण अमेरिकी दर्शकों के सामने उतरना उनके लिए गर्व की बात है। यह अब तक का उनका सबसे बड़ा मंच है और वह हर भारतीय को गर्व महसूस कराना चाहते हैं। उनका प्रोफेशनल रेसलिंग से MMA तक का सफर अब तक असाधारण रहा है।

नई चुनौती के लिए तैयार: SFH 28 के लिए संग्राम अपने विश्वसनीय कोच भूपेश कुमार और उनकी टीम की देखरेख में कड़ी तैयारी कर रहे हैं, जिन्होंने उनके ख्रू गेम को नई गहराई दी है। टीम ने उनके ट्रांज़िशन, ग्राउंड कंट्रोल, स्ट्राइकिंग कॉम्बिनेशन, फाइट जैसी कंडीशंस में ढलने और फिटनेस पर विशेष काम किया है, जिससे वह एक एलीट अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वी की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार रहें। संग्राम सिंह ने कहा कि प्रैक्टिस रिंग और जिम में कोच भूपेश सर के साथ बिताये हर पल ने उन्हें एक नए लेवल तक पहुंचाने का काम किया है। इससे उन्हें MMA की बारीकियों को और गहराई से समझने में मदद मिली है।

युवराज सिंह ने की अभिषेक की तारीफ

'बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं'

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 के अपने दूसरे मुकाबले में गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत हासिल की। इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक लगाया। पूर्व ऑलराउंडर और अभिषेक के मेंटर माने जाने वाले युवराज सिंह ने उनकी पारी की तारीफ की है। युवराज सिंह ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'सबसे अच्छी बातचीत तब होती है जब आप बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं। अच्छी पारी, सर अभिषेक, कोशिश करते रहो।' अभिषेक शर्मा जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले तक पूरे विश्व कप में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। ग्रुप स्टेज के तीन मैचों में लगातार शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 के पहले मैच में 15 रन बना सके थे। उनकी खराब फॉर्म ने टीम इंडिया की परेशानी बढ़ा दी थी। अभिषेक की खराब फॉर्म की वजह से भारतीय टीम को हर मैच में खराब शुरुआत मिल रही थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले अभिषेक को प्लेइंग इलेवन से ड्रॉप किए जाने की चर्चा भी चल रही थी, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा करते हुए मौका दिया। अभिषेक ने इस बार निराश नहीं किया। संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे अभिषेक ने पहले कुछ गेंदें सेट होने के लिए लीं, लेकिन एक बार नजरे जमने के बाद फिर अपने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 30 गेंदों पर 4 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 55 रन की पारी खेली। इस पारी की मदद से भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 विकेट पर 256 रन का पहाड़ सा स्कोर खड़ा किया और विपक्षी टीम को 184 पर रोककर 72 रन से बड़ी जीत हासिल की।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप: भारत की अगुवाई करेंगी लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने एक महीने तक चली गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है।

चयन प्रक्रिया और चैंपियनशिप का महत्व: जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। चयन नीति के अनुसार, एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। इस कारण इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का महत्व और भी बढ़ गया है।

महिला टीम की कमान लवलीना के हाथ: स्पेन में हाल ही में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली लवलीना (75 किग्रा) महिला टीम का नेतृत्व करेंगी।स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा हैं।

महिला वर्ग में अन्य प्रमुख नामः

निकहत ज़रीन (51 किग्रा)
अंकुशिता बोरो (65 किग्रा)
पूजा रानी (80 किग्रा)
अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)
पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन

पुरुष वर्ग में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता सचिन (60 किग्रा) टीम का नेतृत्व करेंगे। आकाश (75 किग्रा), जिन्होंने स्पेन में स्वर्ण जीता, भी टीम में शामिल हैं। रजत पदक विजेता दीपक (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और कांस्य पदक विजेता जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा) भी टीम का हिस्सा हैं।

अन्य खिलाड़ी: विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक)।

BFI अध्यक्ष का बयान: भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, एशियाई चैंपियनशिप हमेशा कौशल और निरंतरता की कड़ी परीक्षा होती है। हमने ऐसे मुक्केबाजों का चयन किया है जिन्होंने अच्छी फॉर्म, अनुशासन और दबाव में प्रदर्शन की क्षमता दिखाई है। हमें विश्वास है कि यह टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

खिलाड़ियों का मूल्यांकन मुख्य कोच सैंटियागो नीवा (महिला) और सीए कुट्टप्पा (पुरुष) की देखरेख में किया गया। भारतीय टीम ने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में नौ स्वर्ण पदक जीते थे।

भारत-वेस्टइंडीज मैच में गेंदबाजों की धुनाई तय, ईडन में बुमराह-अर्शदीप होंगे अहम

कोलकाता।भारत रविवार (27 फरवरी) को टी20 विश्व कप 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 'वर्चुअल क्वार्टर फाइनल' उसी पिच पर खेलेगा, जहां स्कॉटलैंड ने टूर्नामेंट का पहला 200 रन से अधिक का स्कोर बनाया था।ईडन गार्डन के क्यूरेटर सुजान मुखर्जी के अनुसार भारत और वेस्टइंडीज के बीच सुपर आठ का मुकाबला उसी पिच पर होगा जिस पर टी20 विश्व कप का दूसरा मैच खेला गया था।इस पिच पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह अहम हो सकते हैं।

बंगाल क्रिकेट संघ (ष्ट्रक्र) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने शुक्रवार शाम पिच और आउटफील्ड को पूरी तरह ढकने से पहले उसका निरीक्षण किया।पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने मुखर्जी और बोर्ड के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक के साथ लंबी चर्चा की। पूर्व भारतीय कप्तान ने दोनों छोर से पिच की सतह का मुआयना किया।

गांगुली ने पिच का मुआयना किया- मुखर्जी ने पीटीआई से कहा, 'गांगुली पिच की तैयारी देखकर खुश दिखे।

किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर । जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ़ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए। ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया।

इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए। इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंट्री की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देश को रिप्रेजेंट किया था।

बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड़ और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी। भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।

जैक्स और रेहान ने पलटी हारी हुई बाजी

इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड को 4 विकेट से हराया

कोलंबो। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 राउंड के मुकाबले में शुक्रवार को इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया। न्यूजीलैंड से मिले 160 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड ने 3 गेंद शेष रहते हुए 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। अंतिम ओवरों में विल जैक्स ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी के बूते हारी हुई बाजी को पलट दिया। न्यूजीलैंड से मिले 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिल सॉल्ट महज 2 रन बनाकर मैट हेनरी का शिकार बने। इसके बाद खराब फॉर्म में चल रहे जोस बटलर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। दो विकेट जल्दी गंवाने के बाद कप्तान हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल ने इंग्लैंड की लड़खड़ाती हुई पारी को संभालने का प्रयास किया और तीसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़े। ब्रूक 24 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुए, जबकि बेथेल 4 चौकों की मदद से 21 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 58 रनों के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद सैम करन और टॉम बैंटन ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 42 रन जोड़े। करन ने 22 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि बैंटन 3 चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाकर आउट हुए। 117 रनों के स्कोर पर 6 विकेट गंवाकर इंग्लैंड की टीम मुश्किल में थी और जीत दूर जाती हुई दिख रही थी।

हालांकि, विल जैक्स और रेहान अहमद ने सिर्फ 16 गेंदों में 44 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए इंग्लैंड को 4 विकेट से जीत दिला दी। जैक्स ने सिर्फ 18 गेंदों का सामना करते हुए 32 रनों की नाबाद पारी खेली। विल जैक्स ने पारी के 18वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ 22 रन बनाए और यहीं से पूरा मुकाबला पलट गया। वहीं, रेहान ने 7 गेंदों में 19 रन बनाए और वह टीम को जीत दिलाकर लौटे। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रविंद्र ने 19 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि मैट हेनरी और फिलिप्स ने एक-एक विकेट चटकाया।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 159 रन बनाए। टीम को टिम सीफर्ट और फिन एलन ने ताबड़तोड़ शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 6.6 ओवर में 64 रन जोड़े। सीफर्ट ने 25 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्के की मदद से 35 रन बनाए। वहीं, एलन ने 19 गेंदों में 29 रनों का योगदान दिया। रचिन रविंद्र बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 रन बनाकर आउट हुए।

ग्लेन फिलिप्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाए। डेरिल मिचेल सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए, तो मार्क चैपमैन ने 15 रनों का योगदान दिया। कप्तान मिचेल सैंटनर 9 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने 4 ओवर के स्पेल में 28 रन खर्च करते हुए 2 विकेट निकाले। वहीं, विल जैक्स ने 23 रन देकर दो विकेट चटकाए। रेहान अहमद भी न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने में सफल रहे। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ ही न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। कीवी टीम को अब यह दुआ करनी होगी कि शनिवार को होने वाले मुकाबले में श्रीलंका पाकिस्तान को हराने में सफल रहे।

'अभिषेक यही तो झेल रहे हैं अभी', सहवाग ने सफल होने के लिए दिए अहम सुझाव; कहा-

गेंदबाज नहीं गेंद का सम्मान करो

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में काफी इंतजार के बाद अभिषेक शर्मा के बल्ले से रन निकले। अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में 30 गेंदों पर 55 रन की पारी खेली और ये टी20 वर्ल्ड कप में उनका पहला अर्धशतक रहा। भारत के ये स्टार ओपनर अब फॉर्म में है, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने उन्हें आगे इस तरह से सफल बने रहने के लिए कुछ अहम सुझाव दिए।

काफी कुछ झेल रहे हैं अभिषेक

सहवाग ने क्रिकबज पर बात करते हुए कहा कि अभिषेक शर्मा इस वक्त काफी कुछ झेल रहे हैं। जब वो खेलते हैं, शॉट लगाते हैं तो सब उनकी वाहवाही करते हैं, लेकिन जब वो वही शॉट खेलकर आउट हो जाते हैं, रन नहीं आते तो वो सबको खराब लगते हैं। तो ये एक बारीक लाइन है आत्मविश्वास और अतिआत्मविश्वास के बीच में। ये

बल्लेबाजों को ध्यान रखना पड़ता है कि मैं कॉन्फिडेंट हूं, लेकिन ओवर कॉन्फिडेंट नहीं। तो मैं बॉल को देखकर मारूंगा ना कि इगो में आकर कि भाई मुझे मारना ही मारना है।

गेंद को रोकने में कोई हर्ज नहीं

सहवाग ने आगे कहा कि जब कोई खिलाड़ी ऐसा करता है कि मुझे मारना ही मारना है तो फिर अपने विकेट देकर चला जाता है। तो अभिषेक शर्मा भी ऐसा ही करें कि जब लेग साइड में बॉल आए तो वहीं मारें, जब ऑफ साइड में आए तो वहां मारे, लेकिन जब गेंद अच्छी हो तो उसे रोक लें। गेंद को रोकने में कोई हर्ज नहीं है। अभी क्या हो रहा है कि जब वो स्ट्राइक पर होते हैं तो कोशिश करते हैं कि मैं 6 में 6 बॉल मारूं। तो कोशिश ये होनी चाहिए कि आज नहीं लग रहा तो डिफेंस करो और एक रन ले लो। बैट्समैन को बहुत सूझबुझ के साथ खेलना पड़ता है।

मैच में नर्वसनेस है बहुत जरूरी

सहवाग के खिलाड़ी के इगो के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैच में यो सोचकर जाता है कि ये मेरा पहला मैच है। अगर मैं अपनी बात करूं कि मैं बड़ा प्लेयर बन गया हूं तो ये मुझे पब्लिक ने बनाया है। मैंने जो पहले किया है उससे मैं हीरो बना, लेकिन आज, मुझे फिर से खेलना है, रन बनाने हैं। अगर मैं ये सोचूं कि मैंने बहुत रन बनाए हैं, मैं देख लूंगा तो इसका मलतब ये है कि आप बिना तैयारी के जा रहे हो। मैच में नर्वसनेस बहुत जरूरी है, अगर आप नर्वस हो तो ये आपको जागरूक करती है कि मुझे देखकर खेलना है। बॉलर मत देखो की कौन है क्योंकि बॉल को मारनी है तो उसे रिसपेक्ट दो कि वो अच्छी है कि खराब है।

कहीं जरूरत से ज्यादा मूंगफली तो नहीं खा रहे आप

जानें एक दिन में कितनी खाना सही?

सर्दियों के मौसम में मूंगफली खाना सभी को अच्छा लगता है. गर्म-गर्म मूंगफली सर्दियों में खाने से अलग ही स्वाद मिलता है. जैसे ही ठंड दस्तक देती है, सड़कों और मार्केटों में मूंगफली, गजक और रेवड़ी बिकनी शुरू हो जाती है और लोग बड़ी मात्रा में इसका सेवन करने लगते हैं. मूंगफली हमारे शरीर के लिए फायदेमंद होती है. यह शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करती है, जैसे हार्ट की बीमारियां, हड्डियों की मजबूती और पाचन से जुड़ी दिक्कतें. लेकिन ठंड के मौसम में जरूरत से ज्यादा मूंगफली का सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है और शरीर पर हानिकारक असर डालता है.

रोज कितनी मूंगफली खाना सही है?

मूंगफली का सेवन करने से शरीर पर कई सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं. यह हड्डियों की मजबूती से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव में भी मददगार मानी जाती है. हालांकि, ज्यादा मात्रा में मूंगफली खाने से कई तरह की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है. डॉक्टर्स के अनुसार, हर व्यक्ति को अपने डेली रूटीन और डाइट में सिर्फ एक मुट्ठी मूंगफली ही खानी चाहिए. यानी एक दिन में लगभग 30 से 50 ग्राम मूंगफली का सेवन करना सही माना जाता है. आप चाहें तो इससे भी कम मात्रा, यानी 25 से 30 ग्राम मूंगफली का सेवन कर सकते हैं. इतनी मात्रा में मूंगफली खाने से वजन बढ़ने जैसी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता.

ज्यादा मूंगफली खाने से वजन बढ़ना

अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा मूंगफली का सेवन करता है, तो उसे वजन बढ़ने जैसी समस्या हो सकती है. मूंगफली में कैलोरी और फैट की मात्रा ज्यादा होती है. अगर आप रोज जरूरत से ज्यादा मूंगफली खाते हैं, तो धीरे-धीरे आपके वजन में बढ़ोतरी हो सकती है.

जोड़ों के दर्द में मूंगफली से बचें

अगर किसी व्यक्ति को जोड़ों का दर्द या हड्डियों से जुड़ी बीमारियां हैं, जैसे आर्थराइटिस या गठिया, तो ऐसे लोगों को मूंगफली का सेवन बहुत कम या बिल्कुल नहीं करना चाहिए. मूंगफली में मौजूद प्रोटीन और यूरिक एसिड जोड़ों के दर्द को बढ़ा सकते हैं.

पाचन से जुड़ी समस्याएं

ज्यादा मात्रा में मूंगफली खाने से पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. अगर आप जरूरत से ज्यादा मूंगफली का सेवन करते हैं, तो गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है.

लीवर पर हानिकारक असर

ज्यादा मात्रा में मूंगफली के सेवन से हमारे लीवर पर हानिकारक असर हो सकता है. इससे लीवर में फैट जमा होने लगता है, जो फैटी लीवर जैसी समस्या का कारण बन सकता है और लीवर की कार्यक्षमता भी कम हो सकती है. इसलिए मूंगफली का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए.

तेज हवा या घने कोहरे में किसान ना करें ये काम, कृषि विभाग ने किया अलर्ट

घने कोहरे की चादर इन दिनों देश के कई हिस्सों पर छाई हुई है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने कई राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है. कोहरे और बढ़ती ठंड ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. विजिबिलिटी घटने से सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो रहे हैं. किसानों पर भी मौसम के बदलाव का असर पड़ सकता है. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने किसानों के लिए कुछ सुझाव शेयर किए हैं.

दवा के छिड़काव से बचें किसान

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किसानों के लिए जानकारी शेयर की है. कृषि विभाग ने बताया कि किसानों को मौसम देखकर दवा का छिड़काव करना चाहिए. तेज हवा या कोहरे के समय दवा का छिड़काव करने से बचना चाहिए. शांत मौसम में दवा के छिड़काव करने से दवा का पूरा असर फसल पर होता है. इससे किसानों का खर्च भी बचता है.

किसानों को मौसम विभाग की साप्ताहिक सलाह देखकर बुवाई का समय तय करना चाहिए. यह नुकसान को कम करने में मदद कर सकता है. बारिश, ठंड की लहर या गर्मी की बढ़ोतरी जैसी परिस्थितियों में सही फैसले लेने से फसल सुरक्षित रहती है. इससे सिंचाई और दवा पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी बचाया जा सकता है.

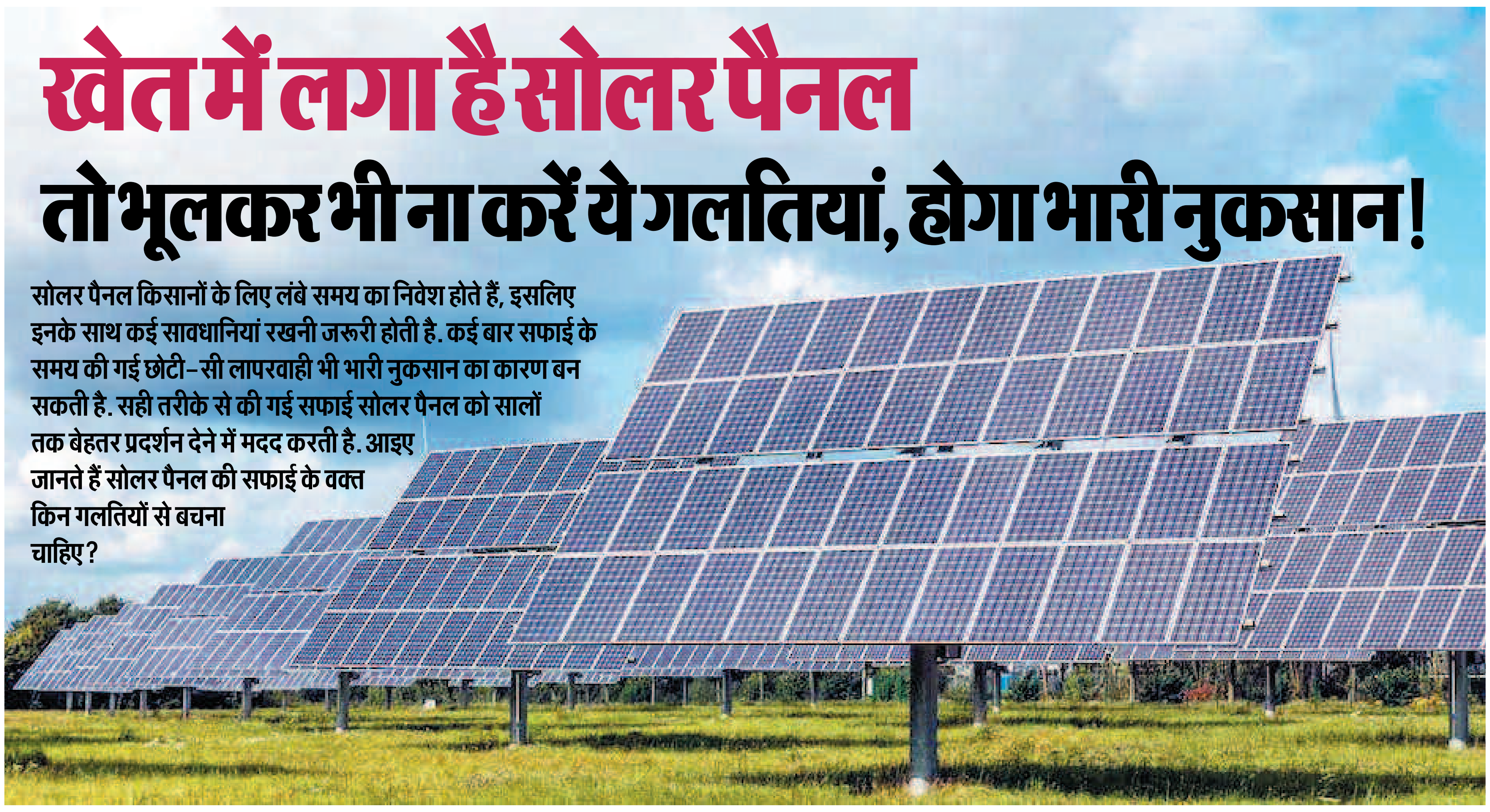

खेत में लगा है सोलर पैनल

तो भूलकर भी ना करें ये गलतियां, होगा भारी नुकसान!

सोलर पैनल किसानों के लिए लंबे समय का निवेश होते हैं, इसलिए इनके साथ कई सावधानियां रखनी जरूरी होती है. कई बार सफाई के समय की गई छोटी-सी लापरवाही भी भारी नुकसान का कारण बन सकती है. सही तरीके से की गई सफाई सोलर पैनल को सालों तक बेहतर प्रदर्शन देने में मदद करती है. आइए जानते हैं सोलर पैनल की सफाई के वक्त किन गलतियों से बचना चाहिए?

खेती में बिजली की बढ़ती मांग और डीजल की ऊंची कीमतों से बचने के लिए किसान तेजी से सोलर पैनल अपना रहे हैं. सिंचाई हो या पंप चलाना, सोलर ऊर्जा आज किसानों के लिए बड़ी राहत बन रही है, लेकिन सोलर पैनल से अधिकतम बिजली पाने के लिए उसकी सफाई नियमित और सही तरीके से करना जरूरी होता है.

सतह पर धूल, मिट्टी, परागकण और पक्षियों की बीट से उत्पादन क्षमता घट सकती है. सफाई के दौरान की गई छोटी-सी गलती भी पैनल को नुकसान पहुंचा सकती है और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है. ऐसे में किसानों को कई गलतियों को करने से बचना चाहिए.

खुरदरे ब्रश का इस्तेमाल करने से बचें

सोलर पैनल की सफाई के लिए झाड़ू, सख्त ब्रश या बोरे के कपड़े जैसी चीजों का इस्तेमाल बिल्कुल न करें. सोलर पैनल की ऊपरी सतह कांच की होती है, जिस पर एक खास कोटिंग लगी होती है. खुरदरी चीजों से सफाई करने पर सतह पर खरोंच पड़ सकती है और इसकी दक्षता स्थायी रूप से कम हो सकती है. सफाई के लिए हमेशा मुलायम कपड़े, स्पंज या माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल करना चाहिए.

तेज केमिकल और साबुन का इस्तेमाल न करें

पैनल को चमकाने के लिए डिटर्जेंट, फिनाइल, एसिड या अन्य केमिकल का प्रयोग न करें. यह सोलर पैनल को नुकसान पहुंचा सकता है. केमिकल्स पैनल की कोटिंग को खराब कर सकते हैं, जिससे धूप को सोखने की क्षमता पर असर हो सकता है. सफाई के लिए साफ पानी या बहुत हल्के साबुन का घोल इस्तेमाल किया जा सकता है.

तेज धूप में सफाई न करें

तेज धूप में सोलर पैनल अत्यधिक गर्म हो जाते हैं. ऐसे में पानी डालने से थर्मल शॉक लग सकता है, जिससे कांच चटकने का खतरा रहता है. इसके अलावा गर्म पैनल पर पानी डालने से दाग भी पड़ सकते हैं. सफाई के लिए सुबह या शाम का समय उचित माना जाता है.

बिजली चालू न रखें

सफाई के दौरान सोलर सिस्टम को चालू छोड़ना बेहद खतरनाक हो सकता है. गीले हाथों या पानी के संपर्क में बिजली प्रवाहित होने से करंट लगने का खतरा रहता है. इसलिए सफाई शुरू करने से पहले सोलर सिस्टम को पूरी तरह बंद करना और इन्वर्टर का स्विच ऑफ करना सुरक्षित माना जाता है.

पैनल पर चढ़कर सफाई करने से बचें

खेतों में लगे सोलर पैनल अक्सर ऊंचाई पर या ढांचे पर लगाए जाते हैं. कई लोग सीधे पैनल पर चढ़कर सफाई करने लगते हैं, जिससे पैनल टूटने या ढांचे के कमजोर होने का जोखिम बढ़ सकता है. सुरक्षित सफाई के लिए हमेशा नीचे से काम करें या सीढ़ी की मदद लें.

तेज प्रेशर के पानी से बचें

सोलर पैनल की सफाई करते समय मोटर या पाइप से तेज प्रेशर वाला पानी इस्तेमाल करना नुकसानदायक हो सकता है. इससे पैनल की सीलिंग खराब हो सकती है और पानी अंदर घुस सकता है. सुरक्षित सफाई के लिए हमेशा हल्के प्रेशर से पानी डालना चाहिए.

ठंड-कोहरे में खराब नहीं होगा तुलसी का पौधा, हल्दी का उपाय करेगा कमाल, जानें तरीका

सर्दियों में तुलसी के पौधे की देखभाल चुनौतीपूर्ण होती है. ज्यादा नमी और कम धूप से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं और फंगस लग जाता है. हल्दी एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटीफंगल है, जो तुलसी के पौधे को फंगस से बचाता है और उसे मजबूत बनाता है. आइए जानते हैं हल्दी के उपाय से कैसे तुलसी के पौधे को हरा-भरा रखा जा सकता है.

तुलसी का पौधा सिर्फ पूजा के लिए नहीं, बल्कि आयुर्वेद में भी एक औषधीय दवा के तौर पर उपयोगी माना जाता है. लगभग हर भारतीय घर में तुलसी का पौधा लगाया जाता है. घने कोहरे और ठंड के मौसम में तुलसी के पौधे की देखभाल करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण होता है. ज्यादा नमी, कम धूप और ठंडी हवा की वजह से तुलसी के पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं, उन पर फंगस लग जाता है और पौधा मुरझाने लगता है. ऐसे में हल्दी का एक घरेलू नुस्खा तुलसी के पौधे को नया जीवन दे सकता है. हल्दी प्राकृतिक तरीके से फंगस को रोकती है और पौधे को मजबूत बनाती है.

कोहरे में तुलसी को नुकसान क्यों होता है?

कोहरे की वजह से हवा में बहुत नमी रहती है. यह नमी मिट्टी में ज्यादा देर तक रहती है, जिससे जड़ें सड़ सकती हैं. धूप कम मिलने से पौधा ठीक से खाना नहीं बना पाता.साथ ही फंगस लगने से पत्तियों पर सफेद-काले धब्बे पड़ जाते हैं और तना कमजोर हो जाता है.

तुलसी के लिए हल्दी फायदेमंद कैसे है?

हल्दी को प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटीफंगल माना जाता है. हल्दी में करक्यूमिन नाम का तत्व होता है जो प्राकृतिक रूप से बैक्टीरिया और फंगस को मारता है. इससे पौधे की बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है.

हल्दी का सही इस्तेमाल कैसे करें?

तुलसी के लिए हल्दी का प्रयोग बहुत सरल है लेकिन मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है. एक गिलास गुनगुने पानी में एक चुटकी हल्दी मिलाएं. इस पानी को अच्छे से घोल लें ताकि हल्दी नीचे न बैठे. हफ्ते में एक बार इस पानी को तुलसी की जड़ में धीरे-धीरे डालें. ध्यान रखें कि मिट्टी पहले से बहुत ज्यादा गीली न हो. अगर आप चाहें तो सूखी हल्दी का पाउडर भी सीधे इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए एक चुटकी हल्दी पाउडर मिट्टी के ऊपर छिड़कें. फिर हल्के हाथ से मिट्टी को खुरच कर मिला दें.

इनमें से कोई भी तरीका नियमित अपनाने से 10-15 दिनों में आपको फर्क दिखने लगेगा. पत्तियां फिर से हरी और चमकदार हो जाएंगी. साथ ही नई पत्तियां भी आएंगी और पौधा मजबूत हो जाएगा.

कुछ और जरूरी टिप्स

तुलसी को ऐसी जगह रखें जहां सुबह की धूप कम से कम 2-3 घंटे मिले.

ज्यादा पानी न डालें. मिट्टी सूखने पर ही पानी दें.

बहुत ठंडी हवा या पाले से बचाने के लिए रात में पौधे को किसी कपड़े से ढक दें.

पीली या खराब पत्तियों को समय पर तोड़कर हटा दें.

इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगे तो सर्दियों में भी तुलसी का पौधा हरा-भरा रहेगा.

दूध के लिए पालें गाय की ये 5 देसी नस्ल, पशुपालकों को मिलेगा बढ़िया मुनाफा

गाय की सही नस्ल का पालन करने से पशुपालकों को कई तरह के फायदे मिलते हैं. सही नस्ल न केवल बेहतर और पौष्टिक दूध उत्पादन करती है, बल्कि किसानों को अधिक मुनाफा कमाने में भी मदद करती है. पशुपालक अपनी जरूरत के अनुसार बेस्ट नस्ल चुन सकते हैं. आइए जानते हैं भारत की 5 खास देसी गायों की नस्लों के बारे में, जिनका पालन करके आपको लाभ मिल सकता है.

भारत में गायों की कई देसी नस्लें पाई जाती हैं, जिनकी अपनी-अपनी विशेषताएं होती हैं. पशुपालक अपनी जरूरत और क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुसार इन नस्लों का पालन कर सकते हैं और इनसे भरपूर लाभ कमा सकते हैं. सही नस्ल की गाय चयन न केवल दूध उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि पशुपालक को आर्थिक रूप से मजबूत भी बना सकता है. पशुपालक गाय की खास नस्लों की जानकारी रखकर उनका पालन करें, तो उन्हें बेहतर गुणवत्ता वाला दूध, अधिक मात्रा में उत्पादन, और लंबे समय तक फायदे मिल सकते हैं. पशुपालन और डेयरी विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

मालवी गाय

भारत की एक स्वदेशी नस्ल है, जिसका नाम इसके मूल क्षेत्र मालवा (मध्य प्रदेश) से जुड़ा है. यह खास गाय मजबूत शरीर और उचित दूध उत्पादन जैसी खूबियों के कारण भारतीय पशुपालन में अपनी खास पहचान रखती है.

थारपारकर गाय

थारपारकर गाय भारत की एक प्रमुख देसी नस्ल है, जिसका मूल क्षेत्र राजस्थान का थार मरुस्थल माना जाता है. यह नस्ल कठोर जलवायु में भी आसानी से ढल जाती है और अपनी मजबूत रोग-प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्रसिद्ध है. इस गाय का रंग सफेद से हल्का स्लेटी होता है. यह न केवल उच्च गुणवत्ता वाला दूध देती है बल्कि कृषि कार्यों में भी उपयोगी साबित हो सकती है. थारपारकर गाय संतुलित देखभाल और सही पोषण मिलने पर पर्याप्त मात्रा में बेहतर दूध देती है. इससे पशुपालकों की आय बढ़ने में मदद मिलती है.

गिर गाय

गिर गाय भारत की सबसे मशहूर देसी दुग्ध नस्लों में से एक है. इसका मूल क्षेत्र गुजरात के गिर जंगल और आसपास का इलाका माना जाता है. यह नस्ल खास तौर पर ज्यादा दूध देने के लिए जानी जाती है और लंबे समय से भारतीय खेती और पशुपालन में अहम भूमिका निभाती रही है. गिर गाय का शरीर मजबूत होता है और इसका रंग लाल-भूरा होता है. यह गाय कम चारे में भी अच्छा दूध देने की क्षमता रखती है. यह गाय एक दिन में लगभग 50 लीटर तक दूध दे सकती है.

देओनी गाय

देओनी गाय, भारत की एक मजबूत देसी नस्ल है. यह मुख्य रूप से महाराष्ट्र में पाई जाती है. ये नस्ल कम देखभाल में भी अच्छा दूध उत्पादन करती है और अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता के लिए जानी जाती है. देओनी गाय का दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो आपके परिवार की सेहत को बेहतर बना सकता है और साथ ही किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करता है. छोटे और मध्यम स्तर के किसानों के लिए यह नस्ल भरोसेमंद और लाभकारी साबित हो सकती है. यह गाय सालाना लगभग 1500 लीटर तक दूध उत्पादन कर सकती है.

साहीवाल गाय

साहीवाल गाय भारत की मशहूर देसी नस्लों में से एक है. इस गाय का रंग लाल-भूरा से गहरे भूरा होता है. यह नस्ल ज्यादा दूध देने के लिए जानी जाती है।साहीवाल गाय गर्म मौसम को आसानी से सह लेती है. इस गाय में परजीवियों से लड़ने की क्षमता होती है. इसका स्वभाव भी शांत माना जाता है. इसलिए इसे पालना आसान बन सकता है. यह गाय पशुपालकों के लिए बेहतर मानी जाती है.

तिहाड़ से निकलकर काम पर लौटे राजपाल

शुरू की 'वेलकम 3' की शूटिंग, सेट से साझा किया वीडियो

तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद राजपाल यादव वापस काम पर लौट आए हैं। उन्होंने फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता राजपाल यादव चेक बाउंस मामले में जेल से बाहर आ चुके हैं। राजपाल अब काम पर लौट आए हैं। उन्होंने आज कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के सेट से अपना एक खास वैनिटी विचार का वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है।

जिसमें उन्होंने कई बातों का जिक्र किया है। जो उनके फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

राजपाल ने शुरू की फिल्म की शूटिंग

राजपाल की टीम ने बताया कि मुंबई पहुंचते ही वह शूटिंग में जुट गए हैं। वह 28 फरवरी को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करने वाले हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को अहमद खान डायरेक्ट कर रहे हैं। राजपाल ने जेल से बाहर आने के बाद अपना पहला वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने अपने वैनिटी विचार को शेयर किया और बताया कि वह अब काम कर लौट आए हैं। उन्होंने सभी के प्यार और आशीर्वाद के लिए फैंस का धन्यवाद किया। साथ ही उन्होंने बताया कि वह 30 जून 1997 को पहली बार मुंबई आए थे और यही से उनका सफर शुरू हुआ था। अगले साल उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में पूरे 30 साल हो जाएंगे।

सरगुन मेहता ने प्रेग्नेंसी की खबरों पर लगाया विराम

अफवाह उड़ाने वालों की लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर बिना आधार की अफवाहें फैल जाती हैं, जो कि उनकी निजी जिंदगी को परेशान करने लगी हैं। ऐसा ही कुछ कई समय से टीवी-पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सरगुन मेहता और उनके पति रवि दुबे के साथ हो रहा था। दरअसल, पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर लगातार यह खबरें फैल रही थीं कि सरगुन मेहता प्रेग्नेंट हैं। इन अफवाहों की वजह से फैंस में काफी उत्साह था, लेकिन कपल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। अभिनेत्री सरगुन ने शनिवार को आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर विराम लगा दिया है। उन्होंने एक नोट शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री ने खंडन करते हुए लिखा, 'अफवाह फैलाने वालों को तो पिछले 2 साल से मेरी 'प्रेग्नेंसी' के बारे में मुझसे पहले ही सब पता चल जाता है। उनके अनुसार मैं पिछले 2 साल से प्रेग्नेंट हूं। भला, इतनी लंबी प्रेग्नेंसी किसी की होती भी है क्या? अभिनत्री ने आगे लिखा, 'प्लीज शांत रहें और बिना किसी आधार की खबरें फैलाना बंद करें। कोई भी खबर फैलाने से पहले हमसे या हमारी टीम से एक बार पूछ लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है, ताकि सही जानकारी सामने आ सके। अभिनेत्री सरगुन मेहता ने नोट शेयर कर लिखा, 'आपको ऐसी प्रेग्नेंसी के बारे में कैसे पता चल गया, जिसके बारे में मुझे और रवि को ही कोई जानकारी नहीं है? प्लीज ऐसी अफवाहें फैलाना बंद करें। '

अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद कई यूजर्स और दोस्तों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री गौहर खान ने कमेंट बॉक्स में हाथ जोड़ते हुए प्रतिक्रिया दी, तो सरगुन के पति रवि दुबे ने लिखा, 'क्या कैप्शन है। सेलेब्स को अपनी निजी जिंदगी को लेकर बार-बार ऐसे झूठे दावों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले कई सेलेब्स इस तरह की झूठी अफवाहों का सामना कर चुके हैं। अभिनेत्री रीम शेख की भी शादी की खबरें उड़ी थीं। दरअसल, लाफ्टर ज्वाइन करने से पहले उनका नाम कंटेंट क्रिएटर कृष गुप्ता के साथ जुड़ा था। साथ ही, यह दावा भी किया गया था कि वे जल्द ही उनसे शादी करने वाली हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस पर प्रतिक्रिया दी थी।

नागा से अलग होने के बाद टूट गई थीं सामंथा, प्यार से उठ गया था भरोसा; कहा-

राज ने मुझे बेहतर इंसान बनाया

सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य 2021 में अलग हो गए थे। इसके बाद सामंथा ने किसी के ऊपर भरोसा करना बंद कर दिया था। लेकिन अब उन्होंने बताया कि कैसे राज निदिमोरु ने उन्हें बदल दिया है। अपनी पर्सनल लाइफ के सबसे मुश्किल दौर से गुजरने के बाद अब सामंथा रुथ प्रभु को फिर से प्यार मिल गया है। एक्ट्रेस ने पिछले साल दिसंबर में फिल्ममेकर राज निदिमोरु से शादी की। अब सामंथा ने अपने हार्टब्रेक पर खुलकर बात की और बताया कैसे उन्होंने मूव ऑन किया।

मैं पूरी तरह से बिखर गई थी

हाल ही में वाग्यू इंडिया को दिए इंटरव्यू में सामंथा ने दिल खोलकर बताया कि कैसे एक हार्टब्रेक के बाद उन्होंने खुद को पूरी तरह बंद कर लिया था। लेकिन राज की दोस्ती और प्यार ने उन्हें फिर से प्यार पर भरोसा करना सिखाया। सामंथा ने कहा, 'जब मेरा सेपरेशन हुआ, तो मैं पूरी तरह से बिखर गई थी। मुझे नहीं लगता था कि मैं कभी किसी पर दोबारा भरोसा कर पाऊंगी। लेकिन शुक्र है कि मैंने खुद को इतना कमजोर नहीं होने दिया और प्यार और दोस्ती पर फिर से भरोसा किया। आज मैं एक बेहतर इंसान हूं, सिर्फ इसलिए क्योंकि मेरी जिंदगी में राज जैसे इंसान हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह बदलाव उनके करीबियों को भी महसूस हो रहा है। कुछ दिन पहले मैं अपनी एक पुरानी दोस्त से मिली। बाद में उसने मुझे वॉइस नोट भेजा और कहा कि काफी समय बाद ऐसा लग रहा है कि तुम्हें सांस लेने में तकलीफ नहीं हो रही। अब मैं कुछ दिखावा नहीं कर रही हूं।'

2021 में नागा चैतन्य से अलग हुई थी सामंथा

सामंथा और नागा चैतन्य की लव स्टोरी 2010 की फिल्म 'ये माया चेसावे' के सेट से शुरू हुई थी, जो सामंथा की डेब्यू फिल्म भी थी। दोस्ती प्यार में बदली और दोनों ने 2017 में भव्य शादी की। लेकिन शादी के चार साल बाद, 2021 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया।

सैयामी खेर बोलीं-

कमजोरी दिखाना सबसे बड़ी चुनौती, विक्रम फडनीस के सोशल ड्रामा में दिखेगा नया अंदाज

फल्म इंडस्ट्री को घूमर जैसी फिल्में दे चुकीं एक्ट्रेस सैयामी खेर अपनी अपकमिंग अनटाइटल्ड सोशल ड्रामा को लेकर उत्साहित है। शूटिंग में व्यस्त सैयामी का मानना है कि स्क्रीन पर कमजोरी और भावनात्मक पक्ष दिखाना शारीरिक रूप से मुश्किल रोल निभाने से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है। सैयामी खेर फिलहाल विक्रम फडनीस के निर्देशन में बन रही बिना टाइटल वाली सोशल ड्रामा फिल्म में काम कर रही हैं, जिसमें वह अपने विनम्र और भावनात्मक पक्ष को दर्शकों को दिखाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में सैयामी के साथ ताहिर राज भसीन भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग चल रही है। मेकर्स ने अभी रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है। सैयामी खेर ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा क्यों बनीं या अपकमिंग फिल्म में अपने किरदार को लेकर उन्हें क्या बात सबसे पसंद आई। उन्होंने बताया, 'मैंने अब तक ज्यादातर ऐसे किरदार निभाए हैं जो फिजिकली बहुत डिमांडिंग थे। उन रोल्स ने मुझे एक एक्ट्रेस के तौर पर काफी मजबूत बनाया है, लेकिन यह नई फिल्म बहुत अलग है। यह ज्यादा सॉफ्ट, ज्यादा इमोशनल है और बाहर की एक्शन के बजाय अंदरूनी सफर पर केंद्रित है। इसी वजह से मुझे यह प्रोजेक्ट बहुत पसंद आया। जाट, रे, मिर्ज्या, मौली, चोक्ड, वाइल्ड डॉग जैसी फिल्मों और स्पेशल ऑप्स, फाडू जैसी सीरीज में काम कर चुकीं सैयामी ने बताया कि वह इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म में उनका अलग अंदाज देखने को मिलेगा। सैयामी ने कहा, 'कभी-कभी कमजोरी दिखाना कहीं ज्यादा मुश्किल होता है और मैं उस स्पेस को एक्सप्लोर करने के लिए काफी उत्सुक हूं। सैयामी ने हाल ही में प्रियदर्शन निर्देशित एक्शन थ्रिलर हैवान की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान नजर आएंगे। शारिब हाशमी भी अहम भूमिका में हैं।

लड़की के चक्कर में

अक्षय कुमार की पिटाई, दिल देना पड़ गया था भारी

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी करने वाले हैं. खिलाड़ी कुमार के पास फिलहाल कई फिल्में हैं, जिनमें 'वेलकम टू द जंगल', 'भूत बंगला', 'हैवान', और 'हेरा फेरी 3' शामिल है. फिल्मों के साथ ही अक्षय कुमार सोनी का शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भी होस्ट कर रहे हैं. अक्षय कुमार अक्सर शो के दौरान वहां मौजूद कंटेस्टेंट्स से बातचीत करते रहते हैं. अब शो के हालिया एपिसोड में अक्षय ने पहली बार नेशनल टेलीविजन पर अपने कॉलेज क्रश के बारे में खुलकर बात की. एक्टर ने अपने पुराने कॉलेज के दिनों के बारे में दिलचस्प बात बताई, जिसने सुनकर सबके चेहरे पर हंसी आ गई. व्हील ऑफ फॉर्च्यून के लेटेस्ट एपिसोड में एक कंटेस्टेंट आदर्श ने शायरी सुनाई और इसी दौरान चर्चा होने लगी कि क्या मर्द किसी का दिल जीतने के लिए काफी कोशिश करते हैं या नहीं. इस बात पर अक्षय कुमार को अपने कॉलेज के दिन याद आ गए और उन्होंने वहां मौजूद सभी लोगों को उनके कॉलेज क्रश के बारे में बताया.

किसे चाहते थे अक्षय कुमार

अपने दिल की बात बताते हुए अक्षय कुमार ने कहा, 'मुझे याद है, मैं अपने टाइम की बात कर रहा हूं. आज से करीब 40 साल पहले मैं कॉलेज में था तो मैं एक लड़की को बहुत चाहता था. मैंने उसके लिए गाना सीखा और मेरा एक दोस्त था, जिसको गिटार चलाना आता था. मैं सच्ची में कह रहा हूं, मैं उसके घर के बाहर जाकर गाना गाया और वो गिटार बजा रहा था. मैंने गाना गाया, उसके बाद पता है क्या हुआ? '

जब अक्षय ने खाई पिटाई

इसके आगे अक्षय कुमार ने कहा, 'उसके जितने भी पड़ोसी थे, उन्होंने मुझे पीटा. हम दोनों ने मार खाई. मेहनत ज्यादा होने से भी पिटाई होती है.' इससे ऑडियंस हंसते-हंसते लोटपोट हो गई. पर्सनल लाइफ की बात करें तो अक्षय कुमार ने ट्विंकल खन्ना से 2001 में शादी की थी. इस कपल ने 17 जनवरी, 2001 को एक छोटी सी सेरेमनी में शादी की, जिसमें करीबी दोस्त और परिवार वाले शामिल हुए थे.

टिस्का चोपड़ा ने

शेयर किया घर से काम करने का 'दर्द'

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वे जिंदगी के कुछ खास पलों की यादें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। उन्होंने शनिवार को भी कुछ ऐसा ही करते हुए एक मजेदार पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि आराम और काम के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने लिखा, 'घर से काम करना सुनने में बहुत अच्छा लगता है, लेकिन जब दो लेखक एक ही डाइनिंग टेबल पर काम करें तो मुश्किल हो जाता है। मुझे समझ आया है कि घर में साफ सीमाएं होना बहुत जरूरी है, ऐसी जगह जहां आप ध्यान से काम कर सकें, समय पर काम खत्म करें, और फिर सुकून से घर जैसा महसूस कर सकें। काम काम की जगह रहे और घर, घर जैसा ही रहे। अभिनेत्री का यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। टिस्का चोपड़ा का अभिनय करियर काफी शानदार रहा है। भले ही टिस्का चोपड़ा पर्दे पर कम नजर आई, लेकिन वह अपनी मौजूदगी से दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ती हैं। अभिनेत्री पिछली बार फिल्म 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं, जो 15 मार्च 2024 को रिलीज हुई थी। इससे पहले, उनकी तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हिटः द थर्ड केस' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उन्होंने एडीजीपी कर्णिका आहूजा का रोल प्ले किया था। टिस्का ने हाल ही में फिल्म साली मोहब्बत से निर्देशन में डेब्यू किया है। इस फिल्म में राधिका आप्टे, दिव्येंदु, अनुराग कश्यप और वेटरन एक्टर शरत सक्सेना मुख्य भूमिका में हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियोज और मनीष मल्होत्रा मिलकर स्टेज5 प्रोडक्शन के बैनर तले कर रहे हैं। फिल्म की कहानी एक छोटे शहर की साधारण गृहिणी के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जिंदगी में अचानक बेवफाई और धोखे के जाल में फंस जाती है। फिर शुरू होती है उसकी जिंदगी की असली जंग। कहानी में प्यार, धोखा, बदला और आत्म-सम्मान जैसे कई गहरे मुद्दे छुए गए हैं। यह फिल्म जी5 पर जल्द ही रिलीज होगी।

20 की उम्र में 13 साल बड़े एक्टर से प्यार, 14 महीने में टूटी सगाई, रश्मिका मंदाना की पहली लव स्टोरी!

साउथ इंडियन सिनेमा और बॉलीवुड की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। विजय देवरकोंडा के साथ उनकी वैवाहिक रस्में 26 फ़रवरी को उदयपुर में पूरी होंगी। फिल्म इंडस्ट्री में रश्मिका मंदाना को पहली बार प्यार उस वक्त हो गया था, जब वे अपनी डेब्यू फिल्म 'किरिक पार्टी' (कन्नड़) की शूटिंग कर रही थीं। प्यार हुआ था एक्टर रक्षित शेट्टी से। वह भी ऐसा कि दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खा लीं। खास बात यह है कि उस वक्त रश्मिका महज 20 साल की थीं।

13 साल बड़े रक्षित शेट्टी से रश्मिका ने कर ली थी सगाई: 30 दिसंबर 2016 को'किरिक पार्टी' रिलीज हुई और लगभग 6 महीने बाद 3 जुलाई 2017 को रश्मिका मंदाना ने रक्षित शेट्टी से सगाई कर ली, जो उनसे उम्र में 13 साल बड़े हैं। सगाई में दोनों के फैमिली मेम्बर्स भी मौजूद थे। रश्मिका और रक्षित की जोड़ी को साउथ सिनेमा की सबसे चर्चित जोड़ियों में गिना जाने लगा था।

रश्मिका और रक्षित के फैन्स इस बात की उम्मीदें कर रहे थे कि दोनों कभी भी शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन – कृष्णा टेकरीवाल प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267